www.ambikavani.com
अम्बिकावाणी
संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा
वर्ष-25 अंक-168 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा
बैकुण्ठपुर गुरूवार 10 जुलाई, 2025

आज का विचार

चाहे जमाना कुछ भी कहे, कहने दो लेकिन उन लोगों का साथ जरूर दो, जिनका वक्त खराब है, और उन लोगों का साथ छोड़ दो, जिनकी नियत खराब है।

गायत्री परिवार के तत्वावधान में दो दिवसीय गुरू पूर्णिमा महोत्सव

विराट कोहली ने टेस्ट रिटायरमेंट पर तोड़ी चुप्पी, लंदन में बताई संन्यास लेने की सबसे बड़ी वजह

प्रधानमंत्री मोदी का ब्राजील में राम भजन की मधुर धुनों के साथ किया गया भव्य स्वागत

नई दिल्ली ,09 जुलाई (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में 'राम भजनइ की मधुर धुनों के साथ भव्य स्वागत किया गया। रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने ब्राजील की राजकीय यात्रा शुरू की।

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा के विशेष निमंत्रण पर पीएम मोदी ब्राजील की राजकीय यात्रा पर गए हैं। जब पीएम मोदी ब्रासीलिया के अल्वोराडा पैलेस पहुंचे तो यहां 'राम भजनइ की विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ उनका स्वागत हुआ।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्सइ पर 2.48 मिनट का एक वीडियो साझा किया और लिखा, आधिकारिक वार्ता से पहले ब्रासीलिया के अल्वोराडा पैलेस पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत 'राम भजनइ की विशेष प्रस्तुति के साथ किया गया।

वीडियो में शास्त्रीय गायिका मीता रवींद्र कुमार कराहे प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में भक्ति गीत प्रस्तुत करती नजर आईं। इस दौरान 'राम भजनइ की मधुर धुनों के साथ प्रधानमंत्री मोदी भी भजन का आनंद लेते दिखे। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के साथ खड़े पीएम मोदी भजन सुनते हुए 'तालीइ बजा रहे थे।

मीता रवींद्र कुमार कराहे ने कहा, मैं प्रधानमंत्री से मिली और उन्हें 'नमस्तेइ कहकर अभिवादन किया। मैंने कहा कि मैं अगले दिन उनके लिए गाने जा रही हूं। मुझे यह निमंत्रण ब्राजील सरकार की ओर से मिला था।

उन्होंने बताया कि ब्राजील के लोग व्यवहार और मेहमान नवाजी में भारतीयों जैसे हैं। उन्होंने कहा, अपनी मातृभूमि से दूर रहने के बावजूद ब्राजील दूसरा भारत जैसा लगता है।

शास्त्रीय गायिका मीता ने बताया, मैंने 10-11 साल की उम्र से ही शास्त्रीय संगीत की शिक्षा लेनी शुरू कर दी थी। ब्राजील सरकार की ओर से मुझे जो निमंत्रण मिला था, उसमें लिखा था कि राष्ट्रपति लूला चाहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के देश से कोई व्यक्ति उनके पसंदीदा भजन की प्रस्तुति दे। प्रधानमंत्री मोदी का मंगलवार को राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने ब्रासीलिया स्थित अल्वोरादा पैलेस में गर्मजोशी से स्वागत किया। पीएम मोदी की यह यात्रा रियो डी जेनेरियो में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद शुरू हुई। अपनी बातचीत के दौरान इन नेताओं ने दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने पर सहमति व्यक्त की।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा को भारत और ब्राजील के बीच रणनीतिक साझेदारी का 'मुख्य वास्तुकारइ बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ब्राजील के नेता ने हमारे संबंधों को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्सइ पर लिखा, राष्ट्रपति लूला के साथ सार्थक बातचीत हुई, जो हमेशा भारत-ब्राजील मैत्री के प्रति भावुक रहे हैं। हमारी बातचीत में व्यापार संबंधों को गहरा करने और द्विपक्षीय व्यापार में विविधता लाने के तरीके शामिल थे। हम दोनों सहमत हैं कि आने वाले समय में इस तरह के संबंधों के पनपने की अपार संभावनाएं हैं।

उन्होंने राष्ट्रपति लूला के साथ अपनी बैठक की तस्वीरें भी साझा कीं। एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, स्वच्छ ऊर्जा, सतत विकास और जलवायु परिवर्तन पर काबू पाना भी हमारी बातचीत में चर्चा के प्रमुख विषय थे। अन्य क्षेत्र जहां हम और भी अधिक निकटता से काम करेंगे, उनमें रक्षा, सुरक्षा, एआई और कृषि शामिल हैं। स्पेस, सेमीकंडक्टर और डीपीआई में भारत-ब्राजील सहयोग से हमारे लोगों को लाभ होगा।

राष्ट्रपति लूला के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता में पीएम मोदी ने कहा, मैं रियो और ब्रासीलिया में गर्मजोशी से स्वागत के लिए अपने मित्र राष्ट्रपति लूला को धन्यवाद देता हूं। अमेजन की सुंदरता और आपकी आत्मीयता से हम बहुत प्रभावित हुए हैं। आज राष्ट्रपति की ओर से ब्राजील के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होना न सिर्फ मेरे लिए, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के लिए बहुत गर्व और भावना का क्षण है। मैं इस सम्मान के लिए राष्ट्रपति, ब्राजील सरकार और ब्राजील के लोगों को धन्यवाद देता हूं।

उन्होंने कहा, मेरे मित्र राष्ट्रपति लूला भारत और ब्राजील के बीच सामरिक साझेदारी के मुख्य वास्तुकार हैं। उन्होंने हमारे संबंधों को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके साथ हर मुलाकात ने मुझे दोनों देशों की प्रगति और भलाई के लिए और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित किया है। मैं यह सम्मान भारत के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता और

पहला कॉलम

गुरु पूर्णिमा का महापर्व गुरुवार के दिन, अज्ञानता से ज्ञान की ओर ले जाने वाले गुरुओं को नमन

नई दिल्ली ,09 जुलाई (ए)। आषाढ़ माह की पूर्णिमा तिथि गुरुवार को पड़ रही है, इस दिन शिष्य अपने गुरु और मार्गदर्शक की पूजा करते हैं, जिनसे उन्हें शैक्षिक और आध्यात्मिक ज्ञान मिला है। शास्त्रों में गुरु का स्थान देवताओं से भी ऊपर बताया गया है, क्योंकि गुरु अपने शिष्य को जीवन में सफलता पाने का और परमात्मा की प्राप्ति का मार्ग बताते हैं। गुरु पूर्णिमाः अज्ञानता से ज्ञान की ओर ले जाने वाले गुरुओं को नमन

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुदेवी महेश्वरः। गुरुः साक्षात परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः।।

इस श्लोक का अर्थ है कि गुरु ही ब्रह्मा हैं, गुरु ही विष्णु हैं, गुरु ही शिव हैं। गुरु साक्षात परब्रह्म हैं, गुरु को हम प्रणाम करते हैं। गुरु शब्द में 'गुइ का अर्थ है अंधकार और 'रुइ का अर्थ है नाश करने वाला, यानी जो अज्ञान के अंधकार का नाश करता है और ज्ञान का प्रकाश देता है, वही गुरु है।

कुछ अलग

अहमदाबाद प्लेन क्रैश में मारे गए 19 लोगों का सरकार ने किया अंतिम संस्कार, क्या थी वजह

अहमदाबाद ,09 जुलाई (ए)। गुजरात के अहमदाबाद में 12 जून को हुए देश के सबसे भयानक विमान हादसों में से एक के लगभग एक महीने बाद, सरकार ने 19 पीड़ितों के उन अवशेषों का अंतिम संस्कार किया है जो दुर्घटनास्थल से बाद में बरामद हुए थे। यह भावुक और संवेदनशील प्रक्रिया मृतकों के परिजनों की सहमति के बाद पूरी की गई।

12 जून को हुए इस हादसे में 270 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। प्रारंभिक जांच और डीएनए टेस्ट के बाद अधिकांश शव परिजनों को सौंप दिए गए थे। हालांकि, बाद में जब प्रशासन ने दुर्घटनास्थल का विस्तृत सर्वेक्षण किया, तो कई मानव अवशेष बरामद हुए। इन अवशेषों की पहचान के लिए फिर से डीएनए मैपिंग की प्रक्रिया अपनाई गई।

खुद को आईपीएस बताकर लोगों को ठगने वाला शातिर ठग गिरफ्तार, नकली आधार कार्ड भी बरामद

मुंबई ,09 जुलाई (ए)। मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट 2 ने एक ऐसे जालसाज को गिरफ्तार किया है, जो खुद को सीनियर आईपीएस अधिकारी बताकर लोगों को ठगता था। आरोपी की पहचान संदीप नारायण गोसावी उर्फ संदीप कार्णिक उर्फ दिनेश बोदुलाल दीक्षित के रूप में हुई है। उसे 8 जुलाई को आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 204, 318(1)(4), 319(1), 316(2), और 337 के तहत केस दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने कबूल किया कि वह कई बार अलग-अलग नामों और पहचान के साथ लोगों को ठग चुका है।

पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी किया गया मोबाइल फोन और एक नकली आधार कार्ड भी बरामद किया, जिस पर आरोपी की फोटो और फर्जी नाम दिनेश बोदुलाल दीक्षित लिखा था। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने उसे 11 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि आरोपी ने कितने और लोगों को ठगा है, उसके कोई साथी थे या नहीं, और फर्जी दस्तावेज कैसे तैयार किए गए। आगे की जांच जारी है। शिकायतकर्ता नाजिम कासिम ने बताया कि करीब एक साल पहले उनकी मुलाकात एक व्यक्ति से हुई, जिसने खुद को सीनियर आईपीएस अधिकारी बताया और अपना नाम संदीप कार्णिक बताया। वह अक्सर नाजिम की दुकान पर आता था और दावा करता था कि मुंबई पुलिस कमिश्नर ऑफिस के कई अफसर उसे जानते हैं। इससे नाजिम का उस पर विश्वास बढ़ गया। 5 जून को आरोपी ने नाजिम से कहा कि वह नागपुर में अपनी कार में मोबाइल फोन भूल आया है और अस्थायी रूप से इस्तेमाल के लिए एक फोन मांगा। भरोसे में आकर नाजिम ने उसे अपना पुराना फोन दे दिया, लेकिन बाद में जब नाजिम ने अपना फोन वापस मांगा तो आरोपी ने बहाने बनाने शुरू कर दिए और धीरे-धीरे बातचीत बंद कर दी।

उत्तर प्रदेश में बनेगा नया रिकॉर्ड, लगेंगे 37 करोड़ पौधे

लखनऊ ,09 जुलाई (ए)। एक पेड़ मां के नाम 2.0' थीम पर उत्तर प्रदेश में बुधवार को 37 करोड़ पौधरोपण का नया रिकॉर्ड बनेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या और आजमगढ़ में 'पौधरोपण महाभियान-2025' का शुभारंभ करेंगे। इसके लिए नर्सरियों व अन्य स्थानों पर 52.43 करोड़ पौधे तैयार किए गए हैं। सभी मंत्री जनपदों में रहकर पौधरोपण करेंगे। सरकारी जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या व आजमगढ़ में पौधरोपण करेंगे। वन मंत्री अरुण कुमार सक्सेना भी विभागीय कार्यक्रम के तहत उक्त जनपदों में पौधरोपण करेंगे। मुख्यमंत्री यहां जनसंवाद भी करेंगे और कार्बन क्रेडिट के तहत सात किसानों को चेक भी प्रदान करेंगे। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बाराबंकी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मेरठ व ब्रजेश पाठक लखनऊ में पौधरोपण करेंगे। इसके अतिरिक्त सभी कैबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व राज्यमंत्री जनपदों में पहुंचकर 'एक पेड़ मां के नाम' लगाएंगे।

सीबीआई को बड़ी सफलता : 23 साल से फरार मोनिका कपूर का अमेरिका से प्रत्यर्पण

नई दिल्ली ,09 जुलाई (ए)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को करीब 23 साल पुराने मामले में फरार मोनिका कपूर को अमेरिका से भारत लाने में बड़ी सफलता हासिल हुई है। सीबीआई टीम आयात-निर्यात घोटाले में आरोपी मोनिका को अमेरिका से भारत ला रही है। सीबीआई पिछले दो दशक से मोनिका कपूर की तलाश कर रही थी। इस प्रत्यर्पण के बाद अब उसकी तलाश भी खत्म हो गई है। सीबीआई ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, दो दशक लंबे प्रयास के बाद आयात-निर्यात घोटाले में वांछित आरोपी मोनिका कपूर को अमेरिका से सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित कर लिया गया है। जांच एजेंसी सीबीआई के मुताबिक, मोनिका ओवरसीज की मालकिन मोनिका कपूर ने अपने भाइयों राजन खन्ना और राजीव खन्ना के साथ मिलकर फजीर्वाड़े की प्लानिंग की थी। फर्जी शिपिंग बिल, चालान और बैंक प्रमाणपत्र बनाकर एक बड़ी आयात-निर्यात धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया। उसने फर्जी दस्तावेजों के जरिए 6 रिप्लेनिशमेंट लाइसेंस हासिल किए, जिससे उसे 2.36 करोड़ रुपए मूल्य के ड्यूटी-फ्री सोने को आयात करने की अनुमति मिली। सीबीआई की प्रेस विज्ञप्ति में उल्लेख किया गया है कि इन लाइसेंसों को प्रीमियम पर अहमदाबाद की एक फर्म 'दीप एक्सपोर्ट्सइ को बेच दिया गया था। 'दीप एक्सपोर्ट्सइ ने उनका इस्तेमाल कर ड्यूटी-फ्री गोल्ड मंगाया। इससे साल 1998 में सरकारी खजाने को 1.44 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। सीबीआई ने इस मामले की जांच पूरी कर 31 मार्च 2004 को मोनिका कपूर, राजन खन्ना और राजीव खन्ना के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। इसके बाद साकेत कोर्ट ने 20 दिसंबर 2017 को राजन और राजीव खन्ना को दोषी ठहराया। हालांकि, इस बीच मोनिका कपूर जांच और सुनवाई में शामिल नहीं हुई। इसके चलते 13 फरवरी 2006 को अदालत ने मोनिका को भगोड़ा घोषित कर दिया। 26 अप्रैल 2010 को मोनिका के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट और इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया। सीबीआई के मुताबिक, 19 अक्टूबर 2010 को अमेरिकी अधिकारियों से प्रत्यर्पण का अनुरोध किया गया। इसी तरह कई सालों तक अमेरिकी अधिकारियों के साथ कॉर्डिनेशन और कानूनी प्रक्रिया का पालन करने के बाद सीबीआई की एक टीम हाल ही में अमेरिका गई, जिसने मोनिका कपूर को हिरासत में लिया। फिलहाल सीबीआई की टीम मोनिका कपूर को लेकर भारत लौट रही है। सीबीआई ने कहा कि मोनिका कपूर को संबंधित अदालत में पेश किया जाएगा और उसके खिलाफ मुकदमा चलेगा। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि सीबीआई आर्थिक अपराधों के खिलाफ अपनी लड़ाई में प्रतिबद्ध है और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की परवाह किए बिना भगोड़ों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए सभी कानूनी रास्ते अपनाती रहेगी।

भिक्षु स्वामी जी के अहिंसा और अनेकांतवाद के सिद्धांत आज की जरूरत : मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़ ,09 जुलाई (ए)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महापुरुषों के विचार और सिद्धांत आज भी हमें जीवन जीने की सही दिशा दिखाते हैं। यदि हम उनके आदर्शों को अपनाएं और अपने आचरण में उतारें, तो एक नैतिक और चरित्रवान समाज का निर्माण संभव है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण होगा, तभी विकसित भारत का सपना साकार हो सकेगा। यदि हम एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए एक मजबूत, नैतिक और चरित्रवान समाज का निर्माण सबसे पहली आवश्यकता है। महापुरुषों की प्रेरणा से ही हम यह लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री आज चंडीगढ़ में आचार्य श्री भिक्षु स्वामी जी की 300वीं जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मंचासीन परम श्रद्धेय मुनिश्री विनय कुमार आलोक जी, मुनिश्री सुधाकर जी, मुनिश्री अभय कुमार आलोक जी, मुनिश्री नरेश जी, स्वामी सम्पूर्णानन्द ब्रह्मचारी जी महाराज सहित समस्त मुनिजनों को सादर नमन किया और कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें इस पावन अवसर पर तेरापंथी समाज के श्रद्धालुओं के बीच आने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि देश की धरा संतों की धरा है। संतों के कारण ही हमारी संस्कृति जीवित है। मुख्यमंत्री ने जैन मुनियों की तपस्वी जीवनचर्या की सराहना करते हुए कहा कि वे भौतिकवादी युग में त्याग और संयम की प्रतिमूर्ति हैं। तीर्थंकरों और मुनियों द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत आज भी मानव समाज को दिशा देने वाले हैं।

आचार्य भिक्षु स्वामी जी समाज-सुधारक और वैचारिक क्रांति के अग्रदूत

मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य श्री भिक्षु स्वामी जी केवल एक मुनि नहीं, बल्कि एक साहसी और क्रांतिकारी विचारक थे। उन्होंने धर्म में व्याप्त कुरीतियों पर चोट की और अध्यात्म को तर्कसंगत दिशा दी। विक्रम संवत 1783 में कंटालिया गांव में जन्मे 'भीखणइ का आचार्य बनने तक का जीवन त्याग, तपस्या और सत्य की साधना से भरा हुआ था। उन्होंने विक्रम संवत 1817 में तेरापंथ की स्थापना की, जो केवल एक पंथ की शुरूआत नहीं थी, बल्कि धर्म को उसके सबसे शुद्ध रूप में पुनः स्थापित करने का एक साहसी आंदोलन था। 'एक आचार्य, एक विधान और एक विचार' का सिद्धांत तेरापंथ का आधार बना, जो अनुशासन, एकता और निष्ठा का प्रतीक है।

भिक्षु स्वामी जी के विचार आज के युग में भी प्रासंगिक

मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य भिक्षु जी की शिक्षाएं आज के युग में भी अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि अहिंसा केवल मारपीट न करना ही नहीं है, बल्कि मन, वचन और कर्म से पवित्र होना ही सच्ची अहिंसा है। आज के तनावपूर्ण और असहिष्णुता से भरे माहौल में यह विचार समाज को जोड ? का काम कर सकता है। उन्होंने अनेकांतवाद की चर्चा करते हुए कहा कि यह दर्शन लोकतंत्र की आत्मा है, जो विभिन्न दृष्टिकोणों के सम्मान की प्रेरणा देता है। अपरिग्रह का संदेश आज की उपभोक्तावादी प्रवृत्ति, संग्रह और भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक नैतिक आधार है।

युवा आत्मानुशासन और आदर्शों का पालन करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य भिक्षु जी मानते थे कि जब व्यक्ति सुधरेगा, तब समाज और राष्ट्र भी अपने आप सुधर जाएगा। हमारा भी यही विश्वास है कि राष्ट्र का सशक्त निर्माण नैतिक मूल्यों की नींव पर ही संभव है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से विशेष अपील करते हुए कहा कि वे आचार्य श्री भिक्षु स्वामी जी के जीवन से प्रेरणा लें, उनके विचारों को पढ़ें और समझें। उनका जीवन निडरता, सच्चाई, संयम और देशसेवा की अद्भुत प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत देश विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, और यह लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब समाज चरित्रवान, संयमी और नैतिक मूल्यों से युक्त हो।

इस अवसर पर मुनि श्री विनय कुमार आलोक एवं मुनिश्री सुधाकर जी ने मुनि श्री भिक्षु जी महाराज के जीवन एवं तेरापंथ के सिद्धांत पर प्रकाश डाला।

दुकान किराए पर उपलब्ध

स्थानः ब्रह्म रोड, शिवगोपी होटल के सामने, अंबिकापुर
फ्लोरः पहला मंजिल (First Floor)
क्षेत्रफलः 800 वर्ग फुट
पार्किंग की सुविधा उपलब्ध
संपर्क करें - मो. 7415805463

राजपुर रोड असोला में मिडिल स्कूल के सामने 41.5 डिसमिल जमीन प्रीकास्ट बाउन्ड्री किया हुआ तत्काल बेचना है।
सम्पर्क करें - राकेश अग्रवाल मो. 9977088562

खरी-खरी

जनदर्शन में कलेक्टर ने आमजनों की सुनी समस्याएं

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक पश्चात जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में पहुंचे आम नागरिकों ने अपनी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर श्री कटारा ने आमजनों से प्राप्त शिकायत एवं समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनकर सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

पहला कालम

अनोखी सोच द्वारा असहाय परिवार के व्यक्ति का कराया गया अंतिम संस्कार

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
अनोखी सोच एक समाज सेवी संस्था जो मानवीय संवेदनाओं एवं मूल्यों को निभाने में अग्रणी रहती है, उसने आज एक निर्धन व्यक्ति का दाह संस्कार शंकरघाट स्थित मुक्तिधाम में सम्पन्न कराया। विदित हो कि मृतक बंटी कश्यप उम्र लगभग ३२ वर्ष महामाया पारा का निवासी था, जिनकी मृत्यु कल रात पानी में डूबने से हो गई। उनके पिता का नाम स्वर्गीय देवानंद कश्यप है, जिनका देहांत २ माह पूर्व ही हुआ है। इनका परिवार अति निर्धन एवं असहाय है, और दाह संस्कार करने में भी सक्षम नहीं है। मृतक बंटी कश्यप की भाभी द्वारा अंतिम संस्कार हेतु संस्था के अध्यक्ष सूर्यप्रकाश साहू से सम्पर्क किया गया। सामाजिक सरोकार में अग्रणी भूमिका निभाने वाले सूर्यप्रकाश साहू के साथ में अनोखी सोच के सदस्यों ने आवश्यक सामग्री जुटाकर पूरे विधि- विधान से मृतात्मा का दाह संस्कार शंकरघाट स्थित मुक्तिधाम में सम्पन्न करा के संवेदनशीलता, दयालुता एवं करुणता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। मृत देह को मुखाग्नि देने का कार्य उनके १० वर्षीय भतीजे आदित्य के द्वारा किया गया, विदित हो कि २ माह पूर्व आदित्य ने अपने स्वर्गीय दादाजी एवं २ साल पूर्व अपने पिता को भी मुखाग्नि दी थी। इस परिवार को अब सम्हालने की पूर्ण जिम्मेदारी अब १० वर्षीय आदित्य के मासूम कंधों पर ही है। जिसे देखते हुए अनोखी सोच संस्था द्वारा आगे भी इस परिवार के जीवन-यापन से सम्बंधित सभी जिम्मेदारियों को पूरा किया जाएगा। इस पुनीत कार्य में संस्था के अध्यक्ष सूर्यप्रकाश साहू के साथ पंकज चौधरी, मोती ताम्रकार, राकेश शुक्ला, विजय बंसल, चंद्रप्रताप सिंह, भोला रक्सेल, संजू चटर्जी, मुकेश सोनी, सुनील साहू, रुपेश बेहरा ,समित मुंडा, लालजी साहू, विशाल साहू, देव साहू, निशांत, नीरज, नितेश, कार्तिक, पंकज, उदय साहू, रमेश साहू, प्रदीप साहू, सोनू मुदलियार , विकाश साहू, बनाफर, गजानंद साहू, गुड्डू, भक्कू मुंडा, सूरज साहू, अविनाश साहू, सचिन, संदीप दास, सौरभ दास, मनोज अग्रवाल, संजय साहू एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बिश्रामपुर भटगांव में राष्ट्रव्यापी हड़ताल का मिला जुला असर

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों एवं चार श्रम कोड बिल के खिलाफ बुधवार ९ जुलाई २०२५ को संयुक्त मोर्चा द्वारा कोयला उद्योग में बुलाए गए हड़ताल का एसईसीएल में मिला जुला असर दिखा।संयुक्त मोर्चा की यूनियनों ने दावा किया कि एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल में एसईसीएल के लगभग ८०त्न प्रतिशत कर्मचारियों ने ड्यूटी से अनुपस्थित रहकर हड़ताल को सफल बनाया है।

एसकेएमएस एटक के महासचिव अजय विश्वकर्मा, एसईकेएमसी इंटक के अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह तथा सीटू के महासचिव व्हीएम मनोहर ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि केंद्र की सरकार द्वारा कोरोना काल के समय जब पूरा देश लगभग रुक गया थे ऐसे में केंद्र की सरकार ने गहमागहमी के दौरान ४ श्रम कोड बिल पास कराया,यह ४ कोड बिल देश के श्रमिकों के ऊपर बहुत बड़ा हमला है। देश की आजादी के पहले और बाद में देश के मेहनतकशो ने लड़ कर अपनी जान देकर ४४ श्रम कानून बनवाये थे यह सरकार २९ श्रम कानून को रद्द कर उद्योगपतियों को ज्यादा से ज्यादा मुनाफा मिले इसके लिए ४ श्रम कोड बिल बनाया है।

तीनो नेताओ ने बताया कि देश के सभी ट्रेड यूनियन फेडरेशन ने मिलकर ४ श्रम कोड बिल को रद्द कराने की मांग को लेकर एसईसीएल सहित पुरे कोल इंडिया के कर्मचारी हड़ताल पर हैं,एसईसीएल में करीब ८० त्न कर्मचारी के हड़ताल में होने से कोयला उत्पादन में व्यापक असर हुआ है।संयुक्त मोर्चा ने केंद्र सरकार से मांग किया है कि देश के सरकारी कारखानों, संस्थाओं का निजीकरण करना सरकार बंद करे। मेडिकल अनफिट से रोक हटाई जाये,भू विस्थापितों को उचित मुआवजा त्वरित नौकरी तथा विस्थापन की ठोस व्यवस्था हो, एसईसीएल में भ्रष्टाचार पर रोक लगे, ठेका श्रमिकों को हाई पवार का वेतन भुगतान हो, महंगाई पर रोक लगे,न्यूनतम मजदूरी २६००० हो। ठेकेदारी प्रथा खत्म कर ठेका कर्मचारियों को नियमित करो। बुनियादी अधिकारों की सुरक्षा वेतन में बढ़ोतरी अपना, अपने परिवार की सुरक्षा और उज्जवल भविष्य तथा प्रबंधन की दमनकारी शोषणकारी कार्यवाही समाप्त हो।

पहली पाली में सामान्य दिनों के मुकाबले आधे कामगार ही पहुंचे

एक दिवसीय हड़ताल का एसईसीएल में मिलजुला असर बताया गया है।पूरे एसईसीएल क्षेत्रों में सामान्य दिनों के मुकाबले इक्यावन प्रतिशत मजदूर काम पर पहुंचे।एसईसीएल कंपनी प्रबंधन ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि सुबह की पाली और जनरल शिफ्ट में उपस्थिति करीब इक्यावन प्रतिशत रही,दूसरी पाली में उपस्थिति तथा खदानों का कार्य संचालन सामान्य रहा। एसईसीएल की कुल बीस खुली खदानों में से पंद्रह खदाने सामान्य रूप से संचालित रही वही चार खदान आंशिक रूप से प्रभावित रहीं।वही भूमिगत खदानों में अपेक्षित रूप से असर देखा गया, यहां ३७ भूमिगत खदानों में २८ खदानों में सामान्य रूप से कार्य हुआ या आंशिक रूप से प्रभावित रही।बता दें कि एसईसीएल का अधिकतम उत्पादन खुली खदानों के जरिए होता है।

बिश्रामपुर और भटगांव में उत्पादन पर असर नहीं

राष्ट्रव्यापी हड़ताल में बिश्रामपुर और भटगांव में उत्पादन पर असर बिल्कुल नहीं दिखा ।

प्रबंधन के मुताबिक सामान्य दिनों के अपेक्षाकृत आधे मजदूर काम पर आए लेकिन इसका उत्पादन पर असर न के बराबर होगा।बिश्रामपुर क्षेत्र वर्तमान में सत्रह से अठारह सौ टन रोजाना कोयला उत्पादन कर रही है जबकि भटगांव क्षेत्र रोजाना करीब बारह हजार टन कोयला उत्पादन कर रही है।हड़ताल के दिवस भी बिश्रामपुर और भटगांव क्षेत्र सामान्य दिनों की तरह उत्पादन करेगी ऐसा अधिकारियों का कहना है।

खेत जाने कह घर से निकले युवक की चौथे दिन नाले में मिली लाश

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम राजापुर पंडरी पानी निवासी ३५ वर्षीय युवक लल्लू राम आत्मज सजन राम का शव आज बेलसोता नाले में पड़ा मिला।ग्रामीणों की सूचना पर जयनगर पुलिस ने मामले में शव पंचनामा पीएम उपरांत मर्ग कायम किया है।बताया गया कि अभी चार दिनों पूर्व हो रहे तेज बारिश के दौरान नदी नाले उफान पर थे उसी दौरान राजापुर निवासी लल्लू राम घर से खेत जाने कह निकला था तब से वह गायब था ,परिजन उसकी पता तलाश में जुटे थे तभी बुधवार को उसका शव बेलसोता नाला में पड़ा मिला।अनुमान लगाया जा रहा है कि खेत जाने के दौरान वह नाला पार करते पानी के तेज बहाव में बह गया होगा।परिजनो की सूचना पर जयनगर पुलिस ने शव पंचनामा पीएम उपरांत मर्ग कायम किया है।

रेलवे के पर्यवेक्षकों ने एनआईटी रायपुर में उन्नत विद्युत प्रशिक्षण प्राप्त किया

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विद्युत विभाग द्वारा लोको शेड पर्यवेक्षकों के ज्ञानवर्धन विषय पर दस दिवसीय पर्यवेक्षक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक २३ जून से ४ जुलाई २०२५ तक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), रायपुर में किया गया । इस अभिनव प्रशिक्षण पहल की शुरूआत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के कुशल मार्गदर्शन में की गई, जिनका विशेष जोर पर्यवेक्षकों के कौशल संवर्धन पर था, जिससे लोकोमोटिव प्रदर्शन में सुधार हो सके । इस तकनीकी पाठ्यक्रम की रूपरेखा प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर द्वारा तैयार की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्युत अभियांत्रिकी के मूल सिद्धांत, मापन

उपकरण, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, विद्युत मशीनें, मोटर ड्राइव्स, विद्युत ब्रेकिंग प्रणाली और आधुनिक संचार प्रणाली जैसे प्रमुख सैद्धांतिक विषय शामिल किए गए । साथ ही, प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए प्रयोगशाला सत्र भी आयोजित किए गए, जिनमें विद्युत सर्किट की कार्यप्रणाली, ब्रेकिंग तकनीक, ट्रांजिस्टर बायसिंग, ट्रांसफॉर्मर ऑयल टेस्टिंग एवं धातुकर्म विश्लेषण जैसे व्यावहारिक पहलुओं को सम्मिलित किया गया । इस पहल का उद्देश्य दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की तकनीकी दक्षता को बढ़ाने के साथ साथ लोकोमोटिव की विश्वसनीयता में सुधार लाना तथा पर्यवेक्षकों को जमीनी स्तर की चुनौतियों का समाधान करने के लिए सशक्त बनाना है ।

इस अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा एनआईटी रायपुर के संकाय एवं प्रशिक्षणार्थियों से संवाद स्थापित किया गया, जिसमें उद्योगों के साथ समन्वय कर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया तथा प्रशिक्षण के सकारात्मक परिणामों की सराहना की गई । यह भी अवगत कराया गया कि इसी प्रकार का अगला प्रशिक्षण कार्यक्रम जुलाई के तीसरे सप्ताह में आईआईटी-भिलाई में प्रस्तावित है । इसके अतिरिक्त, तकनीशियनों के लिए भी समानांतर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई जा रही है, जिससे सभी स्तरों पर कौशल संवर्धन सुनिश्चित किया जा सके ।

डीएपी की आपूर्ति के लिए एसएसपी और एनपीके का करें उपयोग

बलरामपुर, (अम्बिकावाणी समाचार)।
खरीफ सीजन २०२५ के अंतर्गत जिले में कृषि गतिविधियां पूरे जोर पर हैं। ऐसे में कृषकों को पर्याप्त मात्रा में खाद और बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने प्रशासन द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के मार्गदर्शन में खाद-बीज की आपूर्ति, भंडारण और वितरण व्यवस्था की नियमित समीक्षा की जा रही है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पंजीकृत किसानों को सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराया जाए, जिससे खेती-किसानी में किसी प्रकार की बाधा न आए। जिले में वर्तमान में डीएपी खाद की मांग अधिक है, किंतु सीमित आपूर्ति को ध्यान में रखते हुए इसके विकल्प के रूप में सिंगल सुपर फास्फेट (एसएसपी) और एनपीके खाद को अपनाने समितियों के माध्यम से किसानों को जागरूक किया जा रहा है। अब तक जिले की सहकारी समितियों में कुल ३७६५२.६८ मीट्रिक टन विभिन्न प्रकार के खाद की आपूर्ति हुई है, जिसमें से २६५१०.१ मीट्रिक टन खाद का वितरण किसानों को किया जा चुका है। वर्तमान में २७२५.४० मी. टन एसएसपी और १५८८.३० मी. टन एनपीके खाद समितियों एवं डबल लॉक में उपलब्ध हैं। इसी प्रकार खरीफ सीजन २०२५ के लिए १६५७२ क्विंटल बीज का भण्डारण किया गया था, जिसमें से १४६७७ क्विंटल बीज का वितरण कृषकों को किया गया। कृषि अधिकारी ने कृषकों से अपील की है कि समितियों में उपलब्ध खाद-बीज का उठाव करें और उन्नत कृषि के लिए डीएपी के विकल्प के रूप में एसएसपी एवं एनपीके खाद का उपयोग कर बेहतर उत्पादन प्राप्त करें।

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अनुविभाग एवं तहसीलदार राजस्व प्रकरणों की गहन समीक्षा की। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को गंभीरता एवं प्राथमिकता के साथ राजस्व प्रकरणों के निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने जिले में कानून-व्यवस्था से जुड़े विषयों की समीक्षा की। उन्होंने सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया कि वे क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखने हेतु सतत निगरानी रखें। सूचना तंत्र मजबूत रखते हुए किसी भी आपातिक स्थिति में उच्च अधिकारियों के तत्काल संज्ञान में लाए ताकि आवश्यक कदम उठाया जा सके।

कलेक्टर श्री कटारा ने आरबीसी ६-४ अंतर्गत प्रकरणों अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहानि से संबंधित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए ताकि पीड़ित परिवारों को समय पर आर्थिक सहायता प्रदान की जा सके। कलेक्टर श्री कटारा ने न्यायालयवार राजस्व प्रकरणों की जानकारी लेते हुए उनके निराकरण के अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी प्रकरण समय-सीमा के भीतर ही निराकृत किये जाये। इस कार्य में लापरवाही न बरतें। बैठक में राजस्व से संबंधित विवादित नामांतरण, अविवादित नामांतरण, अभिलेख सुधार, हाई कोर्ट प्रकरण सहित, विवादित-अविवादित खाता विभाजन, अवैध अतिक्रमण, भू-अर्जन, पट्टा, अभिलेख का दुरुस्तीकरण सहित अन्य राजस्व प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर ने एग्रीटेक किसान पंजीयन की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के जितने भी किसान पहले से पंजीकृत हैं, उनका नाम एग्रीटेक पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज करायें। कलेक्टर ने कहा कि आने वाले समय में गिरदावरी का कार्य भी प्रस्तावित है, अतः उसे एग्रीटेक पंजीयन से संयोजित रूप से संपन्न किया जाए ताकि कृषि संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन में लक्षित प्रगति सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने राजस्व अमले को निर्देशित किया कि प्रत्येक स्तर पर पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाए तथा आमजनों की शिकायतों का त्वरित समाधान प्राथमिकता से सुनिश्चित हो। कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि आगामी राजस्व बैठक के पूर्व सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करे कोई भी प्रकरण लंबित न हो। बैठक में अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, सर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सहित तहसीलदार उपस्थित रहे।

गायत्री परिवार के तत्वावधान में दो दिवसीय गुरू पूर्णिमा महोत्सव

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
श्रद्धा, भक्ति और गुरुत्व की भावना से ओतप्रोत पावन पर्व गुरू पूर्णिमा का आयोजन गायत्री प्रज्ञा पीठ परिवार बिश्रामपुर द्वारा ९ व १० जुलाई को भव्य रूप से मनाया जाना तय किया गया है। कार्यक्रम की रूपरेखा ऐसी बनाई गई है, जिससे श्रद्धालु केवल धार्मिक अनुष्ठान में नहीं, बल्कि आध्यात्मिक उन्नयन की दिशा में भी जुड़ाव महसूस करें। गौरतलब है कि गुरू पूर्णिमा के स्वागत में ९ जुलाई बुधवार को सुबह ७ बजे से शाम ७ बजे तक अखंड गायत्री मंत्र जाप का आयोजन किया गया। इस दौरान साधकों ने सामूहिक रूप से १२ घंटे तक एक ही स्थान पर बैठकर गायत्री महामंत्र का उच्चारण करते हुए वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि गायत्री मंत्र वह दिव्य ऊर्जा है, जो आत्मा से परमात्मा का संपर्क जोड़ती है। अखंड जाप, गुरू पूर्णिमा के उपलक्ष्य में आत्मिक साधना का सशक्त माध्यम है। यहां पर गुरू पूर्णिमा के पावन दिन १० जुलाई गुरुवार को प्रातः ८ बजे से यज्ञशाला में हवन कार्यक्रम आरंभ होगा। गायत्री परिवार के परंपरागत वैदिक विधानों के अनुसार यज्ञ की अग्नि में आहुतियां समर्पित कर सभी नगरवासियों की मंगलकामना और आत्मिक शुद्धि की प्रार्थना की जाएगी।इसके पश्चात गुरू पूजन का विशेष अनुष्ठान सम्पन्न होगा, जिसमें श्रद्धालु अपने-अपने आध्यात्मिक गुरुओं का पूजन कर ज्ञान, मार्गदर्शन और कृपा के लिए कृतज्ञता अर्पित करेंगे।कार्यक्रम की अंतिम कड़ी के रूप में संध्या समय दीपयज्ञ का आयोजन किया जाएगा।श्रद्धालु दीपक प्रज्वलित कर यज्ञमंडप के चारों ओर विधिपूर्वक दीप अर्पित करेंगे, जिससे सभी दिशाओं में प्रकाश, ज्ञान और सकारात्मकता का संचार होगा।

बच्चों को पुस्तक गणवेश दे मिठाई खिला मनाया शाला प्रवेश उत्सव

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अजबनगर में शाला प्रवेश उत्सव उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम ने न सिर्फ बच्चों में नई ऊर्जा का संचार किया गया, बल्कि अभिभावकों और शिक्षकों के बीच भी शिक्षा के महत्व को लेकर एक भावनात्मक जुड़ाव पैदा किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में एमडीसी के अध्यक्ष संदीप सरकार उपस्थित रहे। अन्य अतिथियों में विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती बिरजनिया केरकेट्टा, पूर्व सरपंच अर्जुन सिंह, समाजसेवी अजीत समद्दार एवं श्यामल दास मौजूद थे। अतिथियों ने कक्षा १ वीं, ६ वीं और ९ वीं में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर पुस्तकें व ड्रेस वितरित कर परंपरागत स्वागत किया। मुख्य अतिथि संदीप सरकार ने कहा कि विद्यालय जीवन की

पहली सीढ़ी है, जिसे मजबूत बनाकर ही हम अपने सपनों की ऊंची इमारत खड़ी कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों और शिक्षकों ने विद्यार्थियों को केवल औपचारिक संदेश नहीं दिया, बल्कि उन्हें लक्ष्य निर्धारित करने, अनुशासन अपनाने और मेहनत से डरने की बजाय उसे अपनी ताकत बनाने की सीख दी। प्राचार्या श्रीमती बिरजनिया केरकेट्टा ने कहा कि शिक्षक बच्चों के जीवन के शिल्पकार होते हैं और यदि बच्चे ईमानदारी से शिक्षकों के बताए रास्ते पर चलें, तो वे जीवन में किसी भी मुकाम तक पहुंच सकते हैं।शिक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी प्रमुखता देते हुए स्कूल परिसर में एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम का संचालन दामिनी मेम ने किया। इस अवसर पर विनय कुमार ठाकुर, लक्ष्मी नारायण तिवारी, निरंजन एक्का, नवीन जैन, श्रीमती गामिनी सिंह, खेत शर्मा, ममता वर्मा, रश्मि, सुनीता सिंह, महिमा सिंह, नाहर सिंह, रतन माली, आनंद विश्वास, तारक सरदार, दिनेश राजवाड़े, तारक सरकार व अन्य उपस्थित थे।

गुरु पूर्णिमा पर कलाकारों ने किया अपने जीवन के सच्चे गुरुओं को याद

मुंबई। गुरु पूर्णिमा के खास अवसर पर कई कलाकारों ने उन मार्गदर्शकों को याद किया, जिन्होंने उनके जीवन को आकार दिया। किसी के लिए वह स्कूल के शिक्षक थे, जिन्होंने उन पर विश्वास जताया, तो किसी के लिए डांस गुरु, जिन्होंने अनुशासन और लय का पाठ पढ़ाया। एक ऐसे समय में जब शोहरत ही अक्सर सुर्खियां बटोरती है, ये कहानियां हमें उन गुमनाम लेकिन अहम लोगों की याद दिलाती हैं जो हर सफलता के पीछे चुपचाप अपना योगदान देते हैं। एण्डटीवी के कलाकारों योगेश त्रिपाठी (च्हप्पू की उलटन पलटनच के दरोगा हप्पू सिंह) और शुभांगी अत्रे (चभाबीजी घर पर हैंच की अंगूरी भाबी) ने अपने जीवन में गुरुओं की भूमिका और उनके महत्व के बारे में बताया।

योगेश त्रिपाठी उर्फ च्हप्पू की उलटन पलटनच के दरोगा हप्पू सिंह कहते हैं कि मेरे लिए मेरे पिता हमेशा से मेरे पहले और सबसे बड़े गुरु रहे हैं। बचपन से मैंने देखा कि वह कितनी सादगी, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ जीवन जीते थे। वे प्रोफेशनल स्कूल टीचर थे और उनकी फिजिक्स व मैथ्स में गहरी पकड़ थी। उनके नंबरों और लॉजिक के प्रति प्रेम ने मुझे भी वैसा ही बना दिया। स्कूल के दिनों में मैं मैथ्स का सबसे अच्छा स्टूडेंट था। वो जिस धैर्य और सरलता से कठिन बातें समझाते थे, वह अद्भुत था। लेकिन पढ़ाई से भी ज्यादा उन्होंने

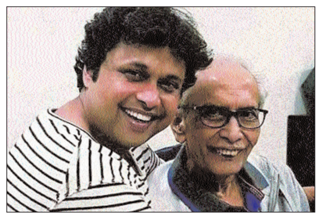

मुझे अनुशासन, विनम्रता और अपने रास्ते पर डटे रहने की सीख दी। उन्होंने कभी मेरे कॅरियर को लेकर कोई दबाव नहीं डाला, बल्कि हमेशा मेरा हौसला बढ़ाया कि जो भी करो, पूरे मन से करो। आज भी मैं हर कदम पर उनकी सीख को अपने साथ लिए चलता हूं। भले ही आज वो हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका ज्ञान और जीवन-दर्शन आज भी मुझे राह दिखाता है। वो सिर्फ मेरे पिता नहीं, बल्कि मेरे गुरु थे और हमेशा रहेंगे।शुभांगी अत्रे उर्फ भाबीजी घर पर हैंच की अंगूरी भाबी ने कहा कि हाल ही में मुझे अपने कथक गुरु सुचित्रा हरमलकर जी से १८ साल बाद इंदौर में मिलने का भावनात्मक सौभाग्य मिला। वो पल बेहद भावुक था, क्योंकि आज मैं जो कुछ भी हूं- मेरी कला, मेरा अनुशासन, मेरी अभिव्यक्ति - इन सबकी जड़ें उनकी सीख में हैं। उन्होंने मुझे सिर्फ कथक नहीं सिखाया, बल्कि मेरे व्यक्तित्व और मेरी रचनात्मक आत्मा को आकार दिया। उनका आशीर्वाद और ज्ञान हमेशा मेरे साथ रहा है। आज भी जब मैं पर्दे पर कोई इमोशनल सीन हूं, तो उनके सिखाए अभिनय और अभिव्यक्ति से ही प्रेरणा लेती हूं। मैं अक्सर कहती हूं कि कथक में वे मेरी प्रेरणा और प्रतिबिंब दोनों ही हैं और उनकी उपस्थिति हमेशा मेरे साथ रहती है। इतने सालों बाद उनसे दोबारा जुड़ना मुझे मेरी शुरूआत की याद दिलाता है और यह भी कि मैं उनकी कितनी ऋणी हूं। एक सच्चा गुरु कभी साथ नहीं छोड़ता और मैं उनकी सदा आभारी रहूंगी।

घर के सामने गड्ढे में डूबा मासूम, मौके पर हुई दर्दनाक मौत, गांव में पसरा मातम

कोरबा अम्बिकावाणी - पोड़ी - उपरोड़ा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत सरभोका के केशरूपारा में ०८ जुलाई मंगलवार दोपहर को एक हृदय विदारक हादसा हो गया। घर के सामने बने गड्ढे में बारिश का पानी भर जाने से दो मासूम बच्चे उसमें खेलते समय गिर गए। ग्रामीणों की तत्परता से एक बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन तीन वर्षीय गगन सिंह बिझांवार की पानी में डूबने से मौके पर ही मौत हो गई।

इस घटना के बाद गांव में शोक की लहर फैल गई है। परिजन बेसुध

होकर रो रहे हैं, वहीं पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया है।

गड्ढों से बन रहे जानलेवा हालात

घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि घरों व बस्तियों के समीप बने खुले गड्ढे मासूमों के लिए मौत के कुंए साबित हो रहे हैं। यदि समय रहते इन्हें ढंक दिया जाए या समतल कर दिया जाए तो ऐसे हादसों से बचा जा सकता है।

ग्रामवासियों ने प्रशासन से की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि बारिश के मौसम में सभी खतरनाक गड्ढों की पहचान कर उन्हें भरा जाए या स्लैब से ढंका जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाएं न हों।

सावधानी ही सुरक्षा है

यह घटना न सिर्फ प्रशासन के लिए चेतावनी है बल्कि हर नागरिक के लिए भी एक सीख है झ मासूमों की जिंदगी बचानी है तो अब हर गड्ढे को भरना जरूरी है।

छोटी खबरें

जीएसटी राजस्व में सराहनीय योगदान के लिए एसईसीएल को मिला सम्मान

बिश्रामपुर - जीएसटी विभाग जबलपुर द्वारा जीएसटी राजस्व में सराहनीय योगदान के लिए एसईसीएल को उत्कृष्ट करदाता के रूप में सम्मानित किया है। हाल ही में ८वें जीएसटी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में यह सम्मान, एसईसीएल द्वारा समयबद्ध कर भुगतान, पारदर्शी कर प्रणाली के अनुपालन एवं राजस्व संवर्धन में निभाई गई सक्रिय भूमिका के लिए प्रदान किया गया है। एसईसीएल ने वर्ष २०२४-२५ में कर रिटर्न समय पर दाखिल करने, कर देयताओं का समयबद्ध निपटान सुनिश्चित करने एवं सभी विधिक एवं नियामकीय दिशानिर्देशों का पालन करते हुए सरकारी राजस्व को मजबूत आधार प्रदान किया। निदेशक (वित्त) डी सुनील कुमार की अगुआई में वित्त विभाग की टीम द्वारा दिनांक ०९ जुलाई २०२५ को एसईसीएल सीएमडी श्री हरीश दुहन से शिष्टाचार भेंट कर एसईसीएल वित्त वर्ष २०२४-२५ में जीएसटी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिले अवार्ड को सौंपा। श्री दुहन ने वित्त विभाग की टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके परिश्रम, दक्षता तथा टीम भावना की सराहना की। इस अवसर पर निदेशक तकनीकी (संचालन सह यो/परि) एन फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (एचआर) बिरंची दास, सीडीएन सिंह, महाप्रबंधक (वित्त), आनंद बक्शी, उप-महाप्रबंधक (आईए) एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

चित्रकूट में सम्पन्न हुई विद्युत की अखिल भारतीय कार्यसमिति की बैठक, राष्ट्रव्यापी आंदोलन का लिया गया निर्णय

कोरबा अम्बिकावाणी - भारतीय मजदूर संघ की औद्योगिक इकाई अखिल भारतीय विद्युत मजदूर महासंघ की कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक ५ एवं ६ जुलाई को मध्यप्रदेश के धार्मिक नगरी चित्रकूटधाम में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अखिल भारतीय अध्यक्ष मधुसूदन जोशी (राजस्थान) ने की, जबकि संचालन महामंत्री डी. राजमुरुगन (तमिलनाडु) द्वारा किया गया। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय मंत्री एवं विद्युत प्रभारी राधेश्याम जायसवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में संगठनात्मक विषयों के साथ-साथ विद्युत क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों की समस्याओं पर गहन चर्चा की गई। साथ ही, पूर्व में रायपुर में हुए अधिवेशन में पारित छह प्रमुख प्रस्तावों को लेकर राष्ट्रव्यापी चरणबद्ध आंदोलन की रणनीति पर मुहर लगाई गई। प्रमुख छह प्रस्ताव इस प्रकार हैं- एक राष्ट्र, एक ग्रिड और कर्मचारियों के लिए एक समान सेवा नियम लागू किया जाए। विद्युत क्षेत्र हेतु औद्योगिक त्रिपक्षीय समिति का पुनर्गठन कर उसे सक्रिय रूप से कार्यरत किया जाए। बिजली उत्पादन, पारेषण एवं वितरण क्षेत्रों में निजीकरण पर रोक लगाई जाए। अनुबंध, संविदा, आउटसोर्स एवं फ्रेंचाइजी प्रणाली को समाप्त किया जाए और इन श्रमिकों के लिए समान कार्य, समान वेतन, सुरक्षात्मक कानून एवं सामाजिक सुरक्षा की गारंटी दी जाए। विद्युत अधिनियम २००३ एवं संशोधन विधेयक २०२३ पर पुनर्विचार किया जाए। पुरानी पेंशन योजना को बहाल किया जाए। छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ-महासंघ के महामंत्री नवरतन बरेठ ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारा संगठन राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानता है। यह संगठन राष्ट्रीय हित, उद्योग हित और अंततः श्रमिक हित की विचारधारा पर काम करता है। बैठक में महामंत्री डी. राजमुरुगन ने स्पष्ट किया कि जल्द ही केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से मुलाकात कर विस्तृत चर्चा की जाएगी और यदि सरकार द्वारा प्रस्तावों को गंभीरता से नहीं लिया गया तो संगठन क्रमबद्ध राष्ट्रव्यापी आंदोलन करेगा।

बैठक में छत्तीसगढ़ प्रदेश से कई पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। हरीश चौहान को उड़ीसा का प्रभारी बनाया गया। मनोज शर्मा को महाराष्ट्र का प्रभारी नियुक्त किया गया। राजकुमार नायक (जबलपुर) को छत्तीसगढ़ का प्रदेश प्रभारी बनाया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में अखिल भारतीय उपमहामंत्री हरीश चौहान, कोषाध्यक्ष मनोज शर्मा, कार्यसमिति सदस्य डी.के. यदु, पूर्णिमा साहू, रीता बघेल, सेवानिवृत्त विद्युत कर्मचारी महासंघ के महामंत्री अरुण कुमार देवांगन एवं छत्तीसगढ़ महासंघ के महामंत्री नवरतन बरेठ उपस्थित रहे।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-/............../अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदिका मनोरमा सोनी पत्नि मनोज सोनी, उम्र-52 वर्ष, जाति निवासी सत्तीपारा, कैलाश मोड़, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा तदाशय् का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका द्वारा अनावेदक लव कुमार सोनी आ.स्व. सुबेदार सोनी, जाति सोनार, निवासी ग्राम कल्याणपुर, तह० लटोरी के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, शीट नं. 09 मोहल्ला-शीतला वार्ड स्थित नजूल प्लॉट नं. 3354/10 में से रकबा 0.02½ एकड़ भूमि को पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 16.05.2025 के माध्यम से क्रय किया गया है।

अतः उक्त पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर उक्त क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में आवेदिका द्वारा स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 25/07/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक - 04/07/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-/........../अ-20(3)/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक विनोद कुमार सोनी पिता स्व० जय दयाल सोनी जाति सोनार आयु 61 वर्ष निवासी सदर रोड अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला सदर रोड नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर 8 स्थित भूखण्ड कमांक 2708/4, 2708/3 रकबा क्रमशः 712.5 वर्गफीट, 104.6 वर्गफीट भूमि को अनावेदक/क्रेता विरेन्द्र सोनी आ० गुलाब चंद सोनी आयु लगभग 65 वर्ष निवासी मस्जिद पारा वार्ड नम्बर-8 प्रतापपुर जिला-सूरजपुर छ०ग० के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 25/07/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 04/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

नशामुक्त भारत अभियान- स्मृति उद्यान काम्पलेक्स की 04 दुकानों में हो रही नशाखोरी पर दुकानें की गई सील

जिला पुलिस व निगम प्रशासन की संयुक्त टीम ने की सीलबंदी की कार्यवाही

कोरबा अम्बिकावाणी - कलेक्टर एवं दण्डाधिकारी अजीत वसंत के मार्गदर्शन में कोरबा में संचालित नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आज निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के निर्देश पर स्मृति उद्यान काम्पलेक्स निहारिका रोड कोरबा स्थित ०४ दुकानों को वहॉ पर हो रही नशाखोरी पर कार्यवाही करते हुए उन्हें सील कर दिया गया। जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन व निगम प्रशासन की संयुक्त टीम ने यह कार्यवाही संपादित करवाई। यहॉ उल्लेखनीय है कि शासन से प्राप्त दिशा निर्देशों के तहत कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन में कोरबा में नशामुक्त भारत अभियान का सफल संचालन कराया जा रहा है, इस अभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्री वसंत के द्वारा जिले के विभिन्न विभागों को नशे के विरूद्ध चलाए जा रहे इस अभियान में पृथक-पृथक जिम्मेदारी सौपी गई है एवं विभागीय समन्वय बनाते हुए नशाखोरी व मादक दवाओं, पदार्थो की तस्करी के विरूद्ध परिणाममूलक कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं, जिसके परिपालन में नगर पालिक निगम कोरबा व जिले के अन्य विभागों के द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में आज निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के निर्देश पर निगम में अभियान के नोडल अधिकारी व उपायुक्त द्व पवन वर्मा के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने निहारिका क्षेत्र में छापामार कार्यवाही की एवं ०४ दुकानों को सील किया। कार्यवाही के दौरान नोडल अधिकारी श्री वर्मा के साथ ही जोन कमिश्नर भूषण उरांव, राष्ट्रीय तम्बाखू नियंत्रण कार्यक्रम की जिला सलाहकार डॉ.मानसी जायसवाल, संपदा अधिकारी अनिरूद्ध सिंह, उप जोन प्रभारी सुमित गुप्ता, अतिक्रमण प्रभारी गोयल सिंह विमल, विनोद गोंड़, विकास शुक्ला, भावेश यादव आदि के साथ टीम के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

दुकानों के अंदर सिगरेट बार का दिया गया था स्वरूप - निहारिका घंटाघर मार्ग पर स्थित स्मृति उद्यान काम्पलेक्स की दुकान क्र. ०७, ०८, ०९ द लल्ला कैफे बार एवं दुकान क्र. ०६ ए.आर. दुकान के अंदरूनी हिस्सों को सिगरेट बार का स्वरूप देकर नशाखोरी कराई जा रही थी, जहॉ पर दर्जनों नवयुवक व नाबालिक आराम से कुर्सी टेबल पर बैठकर सिगरेट के कस लगाते हुए पकडे.गए, एक्शन टीम ने इन नवयुवकों को समझाईश व चेतावनी देकर वहॉ से रवाना किया तथा दुकान संचालकों पर कार्यवाही करते हुए उक्त ०४ दुकानों को सील कर दिया गया।

स्कूलों के आसपास दुकानों पर हो रही लगातार कार्यवाही - आयुक्त श्री पाण्डेय के निर्देशन में नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत स्थित स्कूलों, विद्यालयों व शैक्षणिक संस्थानों के १०० गज के दायरे में स्थित दुकानों में तम्बाखू उत्पादों का विक्रय व भण्डारण करने के विरूद्ध लगातार कार्यवाही एक्शन टीम के द्वारा की जा रही है। निगम में अभियान के नोडल अधिकारी व उपायुक्त पवन वर्मा ने बताया कि अभी तक शहर के ५५ स्कूलों, शैक्षणिक संस्थानों के आसपास स्थित लगभग १०० दुकानों का निरीक्षण करते हुए संयुक्त टीम ने तम्बाखू उत्पादों की जप्ती की, दुकान संचालकों कड़ी चेतावनी दी कि दुकानों में तम्बाखू उत्पादों का दोबारा विक्रय व भण्डारण करते पाए जाने पर दुकानों के लाईसेंस निरस्त करने के साथ-साथ नियमों के तहत कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

लगातार चलेगा अभियान - नोडल अधिकारी श्री वर्मा ने बताया कि कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अजीत वसंत के मार्गदर्शन व निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा नशामुक्त भारत अभियान का लगातार संचालन किया जाएगा, ऐसी दुकानों व प्रतिष्ठान जिनमें अवैध रूप से तम्बाखू उत्पादों व नशीले पदार्थो का सेवन कराया जाता है, उनको सील बंद किए जाने व अन्य आवश्यक वैधानिक कार्यवाही लगातार जारी रहेगी, साथ ही स्कूलों, विद्यालयों व शैक्षणिक संस्थानों के १०० गज के दायरे के अंदर स्थित दुकानों, ठेलों में तम्बाखू उत्पादों का विक्रय व भण्डारण पर भी लगातार कार्यवाही होगी।

कोटपा अधिनियम २००३ में कार्यवाही के प्रावधान - यहॉ उल्लेखनीय है कि भारत में सिगरेट और अन्य तम्बाखू उत्पादों के उत्पादन आपूर्ति व वितरण को नियंत्रित करने और उनके विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाने के लिए कोटपा अधिनियम २००३ बनाया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करना व तम्बाखू के उपयोग को कम करना है, इसके अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों में धूम्रपान पर प्रतिबंध, तम्बाखू उत्पादों के विज्ञापन पर प्रतिबंध, १८ वर्ष से कम उम्र के नाबालिकों को तम्बाखू बेचने पर प्रतिबंध व शैक्षणिक संस्थानों के १०० गज के दायरे में तम्बाखू उत्पाद बेचना गैरकानूनी है आदि शामिल है, यदि कोई व्यक्ति कोटपा अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करता है तो उसे जुमार्ना/या सजा हो सकती है।

नव निर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों का तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण हुआ सम्पन्न

कोरबा अम्बिकावाणी - जिला पंचायत संसाधन केंद्र में जिले के नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों के लिए तीन दिवसीय आवासीय आधारभूत प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिनेश नाग के निर्देशन में ०७ जुलाई से ०९ जुलाई २०२५ तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य नवचयनित जनप्रतिनिधियों को शासन की योजनाओं, नियमों तथा उनके दायित्वों की समग्र जानकारी देना था, ताकि वे अपने कार्यों का निष्पादन प्रभावी ढंग से कर सकें। इस दौरान पंचायती राज अधिनियम, पेसा एक्ट, जिला पंचायत के नियम व कार्यप्रणाली के साथ-साथ प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन आदि प्रमुख योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। समापन अवसर पर जिला पंचायत सदस्यों को सीईओ दिनेश नाग के द्वारा प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि यह प्रशिक्षण नवनिर्वाचित सदस्यों को उनके कर्तव्यों को समझने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में मदद करेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपसंचालक पंचायत जूली तिर्की, संकाय सदस्य लक्ष्मीकांत साहू, जिला समन्वयक सिद्धार्थ असाटी, जिला बाल/संरक्षक अधिकारी दया दास महंत, जिला सलाहकार (स्वच्छ भारत मिशन) दीप सरकार सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अगस्त 2025 तक रोजगार पंजीयन को आधार कार्ड से लिंक करायें

कोरबा अम्बिकावाणी - वर्तमान में जिला रोजगार कार्यालय में पंजीयन हेतु आधार कार्ड अनिवार्य है। वर्ष २०२४ के पूर्व रोजगार कार्यालय कोरबा में पंजीयन कराये गये आवेदकों को सलाह दी गई है कि माह अगस्त २०२५ तक रोजगार पंजीयन को आधार कार्ड से लिंक करवाना सुनिश्चित करें। अभ्यर्थी जिला रोजगार कार्यालय कोरबा में समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों एवं आधार कार्ड के साथ उपस्थित होकर अपने रोजगार पंजीयन को आधार कार्ड से लिंक करवा सकते है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, कोरबा में रोजगार पंजीयन ऑनलाईन वेबसाईट पर के माध्यम से स्वयं कर सकते हैं अथवा जिला रोजगार कार्यालय में कार्यालयीन दिवस में समस्त आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर पंजीयन करवाया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए दूरभाष नंबर ०७७५९-२२२०६९ में संपर्क किया जा सकता है।

सांप डसे तो झाड-फूक में समय न गवाएं, शीघ्र अस्पताल पहुंचे

कोरबा अम्बिकावाणी - कोरबा जिला वनांचल क्षेत्र होने के कारण, बरसात का मौसम शुरू होते ही वातावरण में नमी और उमस बढने तथा वर्षा का पानी जब उनके बिलों में भर जाने के कारण अपने भोजन की तालाश में जहरीले कीट, सांप बिच्छु अपने व तथा सुरक्षित स्थान की तलाश में अक्सर बाहर आ जाते हैं तथा भोजन की खोज में घरों में घुस जाते हैं और लोगों को काटने का खतरा बढ़ जाता है। जिससे सर्पदंश की घटनाएँ बढ़ जाती हैं ।सर्पदंश से अधिकांश व्यक्तियों की आकस्मिक मृत्यु हो जाती है। ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्र में ग्रामीण सर्पदंश के मामले में चिकित्सा विज्ञान पर विश्वास नहीं रखते है तथा बैगा गुनिया से झाड-फूक कराते हैं एवं अंधविश्वास व अज्ञानता के कारण असमय कालकवलित हो जाते हैंद्य मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी ने जानकारी देते हुए बताया कि झाड़-फूक से किसी भी सर्पदंश से पीड़ित व्यक्ति की जान नही बचाई जा सकती है। अंधविश्वास के कारण ग्रामीण संर्पदंश के मामलों में झाड-फूक में समय नष्ट कर मरणासन्न स्थिति में पीड़ितों को चिकित्सालय लाया जाता है, जिससे ऐसे प्रकरणों में जीवन बचाने में चिकित्सक भी असफल रहते हैं। कलेक्टर अजीत वसंत व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी ने जिले के सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे सर्पदंश के मामले में तत्परतापूर्वक नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में नि-शुल्क उपचार प्राप्त करें, जिससे सर्पदंश से असामयिक मृत्यु की रोकथाम हो सके ।साथ ही ऐसे आपात स्थितियों पर क्षेत्र के आर.एच.ओ. या मितानिन से संपर्क कर सर्पदंश से पीड़ित व्यक्ति को तत्काल समीपस्थ अस्पताल पहूँचाये।

अंतिम चयन एवं प्रतीक्षा सूची जारी

कोरबा अम्बिकावाणी - राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरबा द्वारा कुल २३ प्रकार के संविदा पदों के विरूद्ध विज्ञापन जारी किया गया था। उक्त पदों के भर्ती प्रक्रिया के अनुक्रम में अंतिम चयन सूची एवं प्रतीक्षा सूची जारी कर दी गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि सूची का अवलोकन जिला कोरबा के बेबसाइट एवं जिला कार्यालय के सूचना पटल पर किया जा सकता है।

रिमझिम बारिश के बीच श्री श्याम सत्संग महिला मंडल ने निकाला निशान यात्रा

रायपुर। देवशयनी एकादशी के अवसर पर श्री श्याम सत्संग महिला मंडल की 500 से अधिक महिलाओं ने जवाहर नगर के श्री शिव राधा कृष्ण मंदिर से रिमझिम रिमझिम बारिशों के झड़ी में झूमते, नाचते, ढ़ोल नागाड़ो के साथ बाबा का जयकार लगाते हुए निशान यात्रा निकाली।

मीडिया प्रभारी ज्योति अग्रवाल ने बताया कि श्री श्याम सत्संग महिला मण्डल के द्वारा विगत 27 सालों से निशान यात्रा जवाहर नगर के श्री शिव राधा कृष्ण मंदिर एवं राजा तालाब के श्री राणी सती दादी मंदिर से निकाली जाती है जो की श्याम कॉलोनी से होकर खाटू श्याम मंदिर पहुंच कर समाप्त होती है। इस बार की निशान यात्रा में 500 से अधिक श्याम प्रेमी शामिल हुए। बारिश में श्याम अमृत वर्षा मे भींगते हुए श्याम प्रेमी निशान यात्रा में श्याम बाबा के भजन, ढोल नगाड़े, पुष्प व इत्र वर्षा करते हुए खाटू श्याम मंदिर पहुंचे जहां आरती पूजन कर बाबा को मनोकामना निशान अर्पित किए। इस अवसर पर निशान यात्रा की अध्यक्ष संगीता सरावागी के साथ सेवादार राजश्री अग्रवाल, निधि सरावागी, पूजा आस्थाना, दीपक अग्रवाल, संजय सरावगी, माया मुरारका, मीडिया प्रभारी ज्योति अग्रवाल, माधवी अग्रवाल, आभा द्विवेदी, देवकी सोनी, अमिता, आशा अग्रवाल, सरिता गर्ग, बॉबी जैन, खुशबू केडिया के अलावा समिति के अन्य सदस्य शामिल हुए।

स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण- महोरा के स्वास्थ्य कर्मी गैरहाजिर, वेतन काटने के निर्देश

कोरिया बैकुंठपुर - जिला कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निदेर्शानुसार पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह व उनकी टीम जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया । निरीक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता की समीक्षा करना एवं व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति जानना था।

निरीक्षण के दौरान आयुष्मान आरोग्य मंदिर खांडा, गिरजापुर, महोरा, सरभोका तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र टेंगनी का जायजा लिया गया। खांडा केंद्र में साफ-सफाई, बागवानी व्यवस्था और फ्लेक्स बैनर को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए। गिरजापुर केंद्र में आरसीएच रजिस्टर, एनसीडी रजिस्टर, औषधि संधारण एवं एचआरपी मरीजों की सूची का समुचित प्रबंधन न होने पर सुधारात्मक निर्देश दिए गए। इसी तरह टेंगनी केंद्र में आईपीडी रजिस्टर, एएनसी जांच, दवा वितरण कक्ष, स्टोर एवं प्रसव कक्ष की जांच की गई। सभी कर्मचारी उपस्थित पाए गए। प्रभारी को जरूरी व्यवस्थागत सुधार करने को कहा गया।

वहीं सरभोका केंद्र में एनसीडी रजिस्टर सहित अन्य दस्तावेजों का महीनों से संधारण नहीं किया गया था। साथ ही अस्पताल में पर्याप्त साफ-सफाई भी नहीं पाई गई। इस लापरवाही पर सभी संबंधित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।सबसे गंभीर स्थिति महोरा केंद्र में पाई गई, जहां निरीक्षण के समय एक भी स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित नहीं था। इस पर उनके एक दिन का वेतन काटने तथा कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान सभी केंद्रों को आयुष्मान कार्ड एवं वय वंदना कार्ड निर्माण हेतु लक्ष्य के अनुरूप कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

इसके साथ ही निरीक्षण दल ने पटना क्षेत्र की दवा दुकानों का भी जायजा लिया। दुकानों में सीसीटीवी कैमरा, नारकोटिक्स दवाओं का संधारण, क्रय-विक्रय बिल, एवं एक्सपायरी दवाओं की स्थिति की जांच की गई। सभी दुकानों में सीसीटीवी कैमरे सक्रिय मिले। दुकानदारों को वैध प्रिस्क्रिप्शन के बिना दवा न देने एवं नारकोटिक दवाओं के संधारण में कठोरता बरतने के निर्देश दिए गए। इस निरीक्षण दल में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह, औषधि निरीक्षक विकास लकड़ा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री पोषण निर्माण योजना अंतर्गत शा0 आ0कन्या उ0 मा0 विद्यालय बैकुंठपुर में न्योता भोज का आयोजन

कोरिया बैकुंठपुर - जिले के कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशन एवं जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र गुप्ता मार्गदर्शन में शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैकुंठपुर में संस्था के सेवा निवृत्त शिक्षक नन्द लाल सोनी और संस्था के प्राचार्य ए एल गुप्ता के सौजन्य से प्रधानमंत्री पोषण निर्माण योजना अंतर्गत न्योता भोज का आयोजन किया गया। आयोजन में जितेंद्र गुप्ता ने कहा कि छत्तीसगढ़ के स्कूलों में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना के अंतर्गत दिए जाने वाले खाने को सामुदायिक भागीदारी के जरिए और ज्यादा पोषक बनाने की पहल है. यह पूरी तरह से स्वैच्छिक है. कोई भी व्यक्ति, समुदाय के लोग अथवा सामाजिक संगठन किसी भी खास अवसर पर या स्वेच्छा से सरकारी स्कूलों में भोज का आयोजन कर सकता है. इसके अलावा खाद्य सामग्री की योगदान भी कर सकता है इसके साथ संस्था के छात्राओं के साथ समस्त शिक्षकों को नए शिक्षा सत्र की शुभकामनाएं देते हुए इस सत्र में भी अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेश शिवहरे ने छात्राओं से कहा कि यह न्योता भोज कार्यक्रम देश के प्रधान मंत्री माननीय नरेंद्र मोदी की पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत सामुदायिक सहभागिता से स्कूली बच्चों को मध्यान्ह भोजन के अलावा पोषक युक्त भोजन देना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है. कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल ने छात्राओं को कहा कि यह न्योता भोज कार्यक्रम स्कूली छात्र छात्राओं और शिक्षकों के आपसी रिश्ते को माधुर्य बनाता है,

इस कार्यक्रम में श्रीमती शिल्पी गुप्ता(पार्षद),श्रीमती अनिता तिवारी (स्रूष्टष्ट अध्यक्ष) श्रीमती धर्मवती रजवाड़े(स्रूष्टष्ट सदस्य) महेंद्र बैद्य (स्रूष्टष्ट सदस्य) श्रीमती साधना जायसवाल (पार्षद), अमित श्रीवास्तव, रजनीश गुप्ता , जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से प्रकाश तिवारी (सहायक संचालक) , देवेश जायसवाल (विकास खंड शिक्षा अधिकारी) निलेश शुक्ला (विकास खंड स्रोत समन्वयक) विनय मोहन भट्ट(द्वह्वद्व प्रशासक), जयनाथ बाजपेई (सहायक परियोजना अधिकारी) संजय यादव (संकुल समन्वयक) के साथ संस्था के सभी शिक्षक शिक्षकाएं उपस्थित रहें

अम्बिकावाणी

बैकुण्ठपुर गुरूवार 10 जुलाई, 2025

अधिक सांसारिक ज्ञान अर्जित करने से आपमें अहंकार आ सकता है परन्तु आध्यात्मिक ज्ञान जितना अधिक अर्जित करते हैं उतनी नम्रता आती है। 0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

एमएसएमई की संख्या में वृद्धि

एमएसएमई दिवस समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि देश के सतत आर्थिक विकास के मद्देनजर एमएसएमई के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम अनिवार्य है। उन्होंने प्रसन्नता जताई कि केंद्र सरकार ने इस अनिवार्यता को समझते हुए कई नीतिगत पहल की है।

एमएसएमई के लिए वर्गीकरण मानदंडों में संशोधन, ऋण की उपलब्धता में वृद्धि, केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और केंद्रीय सार्वजनिक के उद्यमों को अपनी वार्षिक खरीद आवश्यकताओं का कम-से-कम 35 फीसद एमएसएमई उद्यमों से प्रापण करने के लिए प्रोत्साहन, पीएम विकर्मा योजना के तहत कारीगरों के कौशल विकास जैसी तमाम पहल ने एमएसएमई उद्यमों के लिए स्थितियां उत्साहजनक बनाई हैं।

इन प्रयासों ने पंजीकृत एमएसएमई की संख्या में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है। साथ ही, उम्मीद जगी है कि इन पहल से देश के समावेशी विकास में एमएसएमई पहले से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण निभाने में सक्षम और सफल हो सकेंगे। चूंकि ये उद्यम बनिस्बत कम पूंजी लागत पर अधिक रोजगार अवसरों का सृजन करते हैं, और वह भी ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में, इसलिए कमजोर वगरे को सशक्त बनाने और विकास के विकेंद्रीकरण में अपनी उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं। कहना न होगा कि इससे ये उद्यम समावेशी विकास का महत्त्वपूर्ण जरिया बन सकते हैं। जमीनी स्तर पर नवाचार में भी एमएसएमई उद्यमों की भूमिका को समझा गया है। महिलाओं को इस क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाए तो समाज के सवार्गीण विकास की में नई ऊंचाइयों को छुआ जा सकता है।

बेशक, सरकार के स्तर पर तमाम प्रयास और पहल हो रही हैं, लेकिन इस तथ्य की भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यह क्षेत्र अनके चुनौतियों का भी सामना कर रहा है।

वित्त की समस्या, कंपनियों में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, नवीनतम प्रौद्योगिकी की कमी, कच्चे माल, सीमित बाजार, विलंबित भुगतान और कम कुशल कार्यबल आदि समस्याओं का निदान हो सका तो यकीनन यह क्षेत्र अर्थव्यवस्था के विकास में अपेक्षित योगदान देगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) देश की अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभ हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महत्त्वपूर्ण योगदान देने के साथ ही जमीनी स्तर पर नवाचार को भी बढ़ावा देते हैं।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट -25: समृद्धि, आर्थिक सशक्तिकरण और वैश्विक सम्मान का अद्भुत आयाम

रमेश शर्मा

भोपाल में संपन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट केवल निवेश और औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं है। इससे पूरे भारत के समग्र विकास और आर्थिक समृद्धि के नये द्वार खुले हैं। इसके साथ यह समिट वैश्विक स्तर पर मध्यप्रदेश की छवि और सम्मान बढ़ाने का भी माध्यम बनी। यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट केवल औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं है। इसके बहुआयामी लाभ होंगे। जिस प्रकार यह संसार दो प्रकार का है । एक दृश्यमान और दूसरा अदृश्यमान ।

सृष्टि की कुछ ऊजाएँ ऐसी हैं जो दिखाई नहीं देतीं फिर भी जीवन संचालन में सहयोगी होतीं हैं। उसी प्रकार निवेश इस इन्वेस्टर्स समिट के निवेश प्रस्तावों के आकार लेने के बाद इसका परोक्ष प्रभाव भी मध्यप्रदेश के समाज जीवन पर होगा। इसके लिये मध्यप्रदेश सरकार ने समिट आयोजन से पहले कुछ अतिरिक्त तैयारी की है और औद्योगिक विकास को विरासत से भी जोड़ा है। यह प्रदेश आध्यात्मिक, साँस्कृतिक, प्राकृतिक और धार्मिक स्थलों का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ने इन सबको जोड़कर धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन की विधाएँ जोड़कर इन क्षेत्रों में निवेशकों को आमंत्रित किया था। इन चारों विधाओं में मध्यप्रदेश का स्थान सबसे अलग है। इतिहास में जहाँ तक दृष्टि जाती है, वहाँ मध्यप्रदेश की छवि एक समृद्ध और प्रतिष्ठित भूक्षेत्र के रूप में उभरती है। लाखों वर्ष पुरानी मानव सभ्यता के चिन्ह हैं। समय के साथ भले स्वरूप बदला हो, राजनैतिक सीमाएँ बदलीं, नाम बदले लेकिन मध्यप्रदेश की प्रसिद्धि बनी रही। वैदिक काल से लेकर मध्यकाल तक पूरे विश्व में मध्यप्रदेश आकर्षण का केन्द्र रहा है। यही कारण था कि हर काल-खंड विदेशी पर्यटक भारत आते रहे है। ह्वेनसाँग और फाह्यान से लेकर अल्बरूनी तक और कनिघंम से लेकर स्मिथ तक भारत आने वाला कोई शोधकर्ता ऐसा नहीं जो मध्यप्रदेश न आया हो। इन सबके लेखन में मध्यप्रदेश को समृद्धियों का उल्लेख है। मध्यप्रदेश के वैभव और समृद्धि की झलक कण कण में बिखरी है। इसे संजोने में वाकणकर जी ने अपना जिवन समर्पित कर दिया था। इन सभी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक स्थलों की कहानियाँ, अनूठे चिन्ह, खनिज एवं वन्य संपदा की विविधता भी पर्यटकों को आकर्षित करती रही है। यही प्रसिद्धि मध्यकाल मध्यप्रदेश के विनाश का कारण बनी थी। लगातार आक्रमणों से यह प्रदेश विपन्नता के अंधकार में डूब गया । ऐसा अंधकार कि इसकी छवि एक बीमारू राज्य की बन गई। स्वतंत्रता के बाद भी राजनैतिक कारणों से अनेक स्वरूप बदले गये। मध्यप्रदेश के वर्तमान स्वरूप की सीमाएँ नवम्बर 2000 में बनीं। और विकास की नई यात्रा आरंभ हुई। इसके साथ प्रदेश के औद्योगिक विकास पर जोर दिया गया। डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने विकास यात्रा को नये आयाम दिये। डॉ मोहन यादव ने मोदी मंत्र विकास के साथ विरासत का अमल करते हुये अपने कदम आगे बढ़ाये। कार्यभार संभालने के पहले दिन से डॉ मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी के इसमंत्र पर काम करना आरंभ किया और भारत को विश्व का सबसे समृद्ध राष्ट्र बनाने के उनके संकल्प को पूरा करने केलिये मध्यप्रदेश की सहभागिता सुनिश्चित करने की दिशा में भी कदम बढ़ाये। यह तभी संभव है जब भारत का प्रत्येक प्रदेश विकसित और उन्नत हो। 24-25 फरवरी को भोपाल में सम्पन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट इसी दिशा में एक क्राँतिकारी कदम है।

समिट की तैयारियों का होमवर्क

मध्यप्रदेश की यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट अचानक आयोजित नहीं हुई। इससे पहले राज्य सरकार ने पर्याप्त होम वर्क किया था। यह होमवर्क तीनों प्रकार से हुआ । एक ओर मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले में पानी, बिजली, परिवहन और भूमि की उपलब्धता का विवरण तैयार किया गया, दूसरी ओर भारत ही नहीं पूरे संसार के प्रतिष्ठित उद्योग समूहों से उनकी रुचि के उद्योगों को प्राथमिकता में रखकर चर्चा की गई और तीसरा मध्यप्रदेश में रीजनल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन हुये । सरकार के केवल चौदह महीने के कार्यकाल में सात रीजनल इन्वेस्टर्स समिट संपन्न हुईं। इन तीनों प्रकार की तैयारी के बाद यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन हुआ। इन चौदह महीनों में मध्यप्रदेश में निवेश प्रस्तावों का मानों एक नया कीर्तिमान बनाया है। कुल 30.77 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे 21.40 लाख नए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। इस ग्लोबल समिट में 300 से अधिक प्रमुख उद्योगों के चेयरमैन, सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर्स ने समिट में हिस्सा लिया। भारत का ऐसा कोई उद्योग समूह नहीं जिसके प्रतिनिधि इस समिट में सहभागी न बने हों। उनके साथ 600 से अधिक बिजनेस टू गवर्नमेंट और 5,000 से अधिक बिजनेस टू बिजनेस बैठकें हुईं। निवेशकों और सरकार के बीच इस संवाद से औद्योगिक विकास की दिशा में एक मजबूत विश्वास बढ़ा है।

इस ग्लोबल समिट में विभिन्न सेक्टर्स के पच्चीस हजार से अधिक पंजीयन हुये और विभिन्न सेक्टर्स के 85 एम ओ यू पर हस्ताक्षर हुये। इस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के साथ मध्यप्रदेश का नाम निवेश की दुनियाँ में चर्चित हुआ और देश में तीसरे स्थान पर आ गया। इस समिट से औद्योगिक विकास और युवाओ को रोजगार के अवसर के साथ समृद्धि के नये द्वार खुले हैं । मध्यप्रदेश की गणना अब वैश्विक स्तर पर भी होने लगी । इस समिट की तैयारी में प्रदेश के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के विकास एवं उनको वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने की दिशा में भी काम हुआ।

धार्मिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक पर्यटन

प्रदेश की साँस्कृतिक, ऐतिहासिक और विविध प्राकृतिक स्थलों को पर्यटन से जोड़कर निवेश आमंत्रित किये गये । निवेशकों ने इस दिशा में भी अपनी रूचि दिखाई। विंध्य, सतपुड़ा और अरावली पर्वतमाला से घिरी मध्यप्रदेश की यह धरती अपनी प्राकृतिक, साँस्कृतिक, ऐतिहासिक और लोक संस्कृति की विविधताओं के लिये संसार भर में प्रसिद्ध हैं। रॉक शेल्टर, गर्म पानी के झरने, हरे-भरे हिल स्टेशन, घाटियाँ, गुफाएँ वन्य जीवों और वनस्पति से भरे वन, उनका अद्भुत प्राकृतिक सौन्दर्य पर्यटकों केलिये सहज आकर्षण का केन्द्र हैं। रोचक लोक संस्कृतियाँ, उनके नृत्य कौशल, चित्रकारी, नृत्यगीत और उनसे जुड़े लोक जीवन की रोचक कहानियाँ भी शोध कताओं और प्रकृति प्रेमियों को आकृषित करते हैं। इन सब स्थलों को पर्यटन से जोड़ा गया है। और निवेशकों के प्रस्ताव आये। प्रदेश में ऐसे अनेक मन्दिर, किले और विश्व प्रसिद्ध गुफाएँ हैं जिनमें मानव सभ्यता के विकास का क्रम, गौरवशाली इतिहास छिपा है। वे सदैव आकर्षण का केन्द्र रहे हैं। इनमें कुछ तो ऐसे हैं जिनके प्रतीक चिन्ह कोलकाता के राष्ट्रीय संग्रहालय से लेकर लंदन के म्युजियम में प्रदर्शित हैं। जैसै सतना के पास भरहुत का स्तूप के अवशेष कोलकाता के राष्ट्रीय संग्रहालय में और भोजशाला धार की माता सरस्वती की प्रतिमा लंदन के संग्रहालय में है। उज्जैन की वेधशाला, साँची के स्तूप, विदिशा का भग्न सूर्य मंदिर उदयगिरी की गुफाएँ, महू की बाघ गुफाएँ, खजुराहों के मंदिर, जानापाव, सतधारा, चंबल, नर्मदा, ताप्ती, बेतवा और शिप्रा के उद्गम स्थल भेड़ाघाट आदि उल्लेखनीय हैं।

ओंकारेश्वर, महाकाल, मैहर, सलकनपुर, ओरछा, तरावली, पीताम्बरा पीठ, पशुपतिनाथ मंदसौर, बाघ अभ्यारण्य, प्रमुख बाँध, पचमढ़ी आदि लगभग सौ विविध स्थानों को पर्यटन से जोड़कर निवेश आमंत्रित किये गये हैं। इनमें अधिकांश वे स्थल हैं इनका उल्लेख विदेशी पर्यटकों ने भी किया है।

तेजी से बढ़ रही युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति

योगेश कुमार गोयल

मादक पदार्थों का सेवन केवल व्यक्ति की निजी कमजोरी नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध सबसे बड़ा अपराध है। यह प्रवृत्ति शहरों के क्लबों, पार्टियों और रेव-संस्कृति तक सीमित नहीं रही, बल्कि दूरस्थ गांवों और कस्बों तक पांव पसार चुकी है। सबसे चिंता की बात यह है कि यह सब कुछ हमारे सामाजिक ढांचे का अभिन्न अंग बनता जा रहा है। वैसे यह समस्या भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अनेक देशों में भी नशीली दवाओं की तस्करी खासकर युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

नशीले पदार्थों की तस्करी पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से प्रति वर्ष 26 जून को 'अंतरराष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवसइ मनाया जाता है, लेकिन 36 वर्षों से यह दिवस मनाते रहने के बावजूद नशे की तस्करी पर लगाम कसे जाने की बजाय यह समस्या दुनिया भर में विकराल होती गई है। चिंताजनक स्थिति यह है कि भारत में तो नशे का धंधा अब देश के नामी-गिरामी शिक्षण संस्थानों तक फैल चुका है। बड़े शहरों की रेव पार्टियां, जहां महंगे होटल और फार्म हाउसों में धुआं, शराब और कोकीन की गंध में आधुनिक युवा वर्ग डूबा होता है, इस विघटन की वीभत्स तस्वीरें पेश करती हैं। राजनीतिक संरक्षण और प्रशासनिक शिथिलता ने इन पार्टियों को लगभग 'छूट प्राप्त अड्डोंइ में बदल दिया है, जहां पुलिस की कार्रवाई महज दिखावा बनकर रह जाती है। रईसजादों के लिए नशे की संस्कृति 'स्टेटस सिंबलइ और 'मॉडर्निटीइ का पर्याय बन गई है। कोकीन जैसे पदार्थ, जिनमें गंध तक नहीं होती, उनके लिए नया फैशन स्टेटमेंट हैं, बिना यह समझे कि ये पदार्थ तंत्रिका तंत्र पर सीधा प्रहार करते हैं, और धीरे-धीरे शरीर और आत्मा को खोखला कर देते हैं। इस भयावह स्थिति को बढ़ावा देने वाला माध्यम है इंटरनेट। सूचना क्रांति का यह माध्यम नशीली दवाओं की उपलब्धता और प्रचार-प्रसार का प्लेटफॉर्म बन गया है।

भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में कॉलेज छात्रों की भागीदारी चालीस प्रतिशत से अधिक है, और इस आंकड़े में लड़कियों की संख्या भी चिंताजनक स्तर तक बढ़ चुकी है। अनेक कॉलेज परिसरों में स्थिति यह है कि छात्र अपने ही परिसर में नशा खरीद सकते हैं, जो किसी संगठित गिरोह की गतिविधि से कम नहीं। छात्रों का नशे की ओर झुकाव कई कारणों से होता है-साथियों के दबाव, मॉडर्न दिखने की चाह, रोमांच की तलाश या फिर अवसाद, चिंता और मानसिक अकेलेपन की स्थिति में। चौंकाने वाली बात यह है कि वे दवाएं, जिन्हें मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाया गया था, अब नशे के औजार के रूप में इस्तेमाल की जा रही हैं।

नशीली दवाओं के सेवन से शरीर पर अनेक घातक प्रभाव होते हैं-भूख मर जाना, वजन कम होना, आंखों में लाली और सूजन, कंपकंपी, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, अवसाद, ध्यान केंद्रित करने में असमर्थता और यहां तक कि एड्स जैसे संक्रमणों का खतरा भी। मादक पदार्थों का सेवन धीरे-धीरे व्यक्ति की इच्छाशक्ति को इस हद तक खत्म कर देता है कि वह इनका गुलाम बन जाता है। प्रारंभिक प्रयोग के बाद व्यक्ति पहले जैसी अनुभूति के लिए मात्रा बढ़ाता है और ऐसी अवस्था में पहुंच जाता है, जहां उसका अस्तित्व इन पर निर्भर हो जाता है। समाज में व्याप्त यह भ्रांति कि नशे से सृजनात्मकता, सोचने की शक्ति, एकाग्रता और यौन शक्ति में वृद्धि होती है, भ्रामक और खतरनाक मिथक है। असलियत तो यह है कि नशे की गिरफ्त में व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी सोच-विचार की स्पष्टता खो देता है, उसकी निर्णय-क्षमता खत्म हो जाती है और उसके कार्य में तालमेल टूट जाता है। कोई भी रसायन, जो व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक क्रिया-प्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है।

देश में नशे का सबसे गंभीर पहलू यह है कि भारत नशे का उपभोक्ता नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय तस्करी के नक्शे पर प्रमुख 'ट्रांजिट रूटइ भी बन चुका है। अफगानिस्तान, पाकिस्तान, म्यांमार, ईरान और चीन जैसे देशों से होते हुए भारत के रास्ते मादक पदार्थ पश्चिमी बाजारों तक पहुंचते हैं। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट भी इस बात की पुष्टि करती है कि भारत की भौगोलिक स्थिति तस्करों के लिए सबसे सुगम मार्ग है। यह व्यापार अब वैश्विक अर्थव्यवस्था का 15 प्रतिशत हिस्सा बन चुका है। भारत में इस पर लगाम लगाने के लिए नारकोटिक्स एक्ट जैसे कठोर कानून मौजूद हैं, लेकिन अपराधी अक्सर इन कानूनों की कमियों का लाभ उठा कर बच निकलते हैं।

हमें स्वीकार करना होगा कि नशा अब व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आपदा है। इस आपदा से लड ? का एक ही रास्ता है जनचेतना, सहयोग और सामूहिक संकल्प। यही वह क्षण है, जब हमें यह प्रण लेना होगा कि हम नशे के हर रूप, हर स्रोत और हर समर्थन के खिलाफ खड़े होंगे, बिना डरे, बिना रुके।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

भारत की न्यायिक व्यवस्था अब बदलाव की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ा चुकी है। देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने अब महीने में दो अतिरिक्त कार्य दिवस जोड ? का ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

यानी अब दूसरे और चौथे शनिवार को भी सुप्रीम कोर्ट खुलेगा और नियमित मामलों की सुनवाई करेगा। यह फैसला केवल अदालत के काम के घंटे बढ़ाने का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसे समय में आया है जब देशभर में न्याय का बोझ बहुत बढ़ गया है। देश में वर्तमान समय में करीब 5 करोड़ मुकदमे अदालतों में लंबित हैं। इनमें से अकेले सुप्रीम कोर्ट में 72,000 से अधिक मामले पेंडिंग हैं।

हाईकोर्ट में यह संख्या लगभग 60 लाख के करीब है और सबसे ज्यादा भार तो निचली अदालतों पर है, जहां 4 करोड़ 30 लाख से अधिक मुकदमे वर्षों से फैसले की राह देख रहे हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की यह पहल एक संकेत है कि न्यायपालिका अब खुद भी अपनी कार्य संस्कृति को बदलने को तैयार है और यह बदलाव केवल अदालतों के भीतर नहीं, बल्कि पूरे समाज में फैलना चाहिए, लेकिन सवाल यहीं से शुरू होता है कि क्या अदालतों के कार्य दिवस बढ़ा देने भर से समस्या हल हो जाएगी? जवाब है नहीं।

जब तक समाज, सरकार, मीडिया, पुलिस, प्रशासन और आम नागरिक सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को नहीं समझेंगे, तब तक अदालतों पर बढ़ता बोझ कम नहीं होगा। आज जरूरत इस बात की है कि आम आदमी खुद यह सोचे कि क्या हर विवाद अदालत तक ले जाना जरूरी है? अक्सर मामूली झगड़े जैसे कि जमीन के छोटे विवाद, पारिवारिक तनाव, लेन-देन की छोटी बातें भी कोर्ट तक पहुंचा दिए जाते हैं, जिन्हें बातचीत, पंचायत, मीडिएशन या लोक अदालत के जरिये सुलझाया जा सकता है। आम जनता को समझना होगा कि हर मामला न्यायालय में ले जाना ही समाधान नहीं, कई बार यह समस्या को और उलझा देता है। वकीलों की भूमिका भी कम अहम नहीं है। वे मुकदमे की दिशा तय करते हैं, मुकदमा लड़ा जाए या सुलझाया जाए। अगर वे केवल जीत-हार की सोच से ऊपर उठकर न्याय दिलाने की भावना से काम करें, तो लाखों मामले अदालत तक पहुंचने से पहले ही सुलझ सकते हैं। साथ ही, यह भी जरूरी है कि वकील फर्जी या दुर्भावनापूर्ण मामलों को दर्ज करने से परहेज करें और मुवक्किल को वास्तविक कानूनी रास्ता दिखाएं। इसी तरह पुलिस और जांच एजेंसियों की भी सीधी भूमिका है। जब समय पर चार्जशीट दाखिल नहीं होती, जब जांच अधूरी रहती है, जब गवाहों की सुरक्षा नहीं होती, तब मामला खिंचता चला जाता है।

न्याय प्रक्रिया तभी प्रभावी हो सकती है जब जांच समयबद्ध, निष्पक्ष और तकनीकी रूप से मजबूत हो। 0 डॉ. प्रभात दीक्षित

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1368

1		2	3	■	4		5
	■	6				■	
■	7			■	8	9	■
10		■	■	11	■	12	
13		■	14		15		■
16				■	17		18
■		■	19	20	■	21	
■	■	22	■	23		■	

संकेत: बाएं से दाएं

1. 14 अगस्त इस पडोसी देश का स्वाधीनता दिवस है (4)
4. उत्तरप्रदेश की लोकसभा की इस सीट से स्मृति ईरानी सांसद है (3)
6. दूल्हा -दुल्हन (4)
7. दस्तावेज लिखित, कमलबंद (3)
8. अगर, जो (2)
10. आपत्ति, आक्रमण (2)
12. निशाना, अनुमान योग्य वस्तु, अनुमेय (2)
13. अधिकार, स्वामित्व, इख्तियार (2)
14. शान-शौकत (4)
16. मक्खन, माखन (4)
17. मुगलकाल में प्रवेश का प्रधानशासक यह कहलाता था (3)
19. दिनांक, तारीख (2)
21. घोड़े कीपीठ पर रखने की गद्‌दी (2)
22. गेंहू की तरह एक प्रसिद्ध अन्न (1)
23. लहू, रूधिर (2)

ऊपर से नीचे

1. कुंती का एकनाम पृथा भी था इनके पुत्र युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन ये तीनों को यह कहा जाता है पर अधिकतर अर्जुन के लिए यह कहा जाता है (2)
2. स्तुति वादक को यह भी कहा जाता है (3)
3. नरम होने की अवस्था, अनैतिक (3)
4. न्याय के विरूद्ध कार्य, अनैतिक (3)
5. उपयुक्त, युक्ति संगत, मनोनुकुल (2)
7. तंत्र-मंत्र विधि से बनाय यंत्र (5)
9. मैत्री, दोस्ती, सान्तना, ढाढ़स (5)
10. रहने का तरीका या ढंग, गिरवी रखना (3)
11. समय, बेला (2)
14. फैलाव या तनाव होने की स्थिति यह भी कहलाती है (3)
15. आदत, जड़हन के खेत मे रोपी हुई धान की जूरी, समुद्र में ऊंची उठती लहर (2)
18. निर्मित या रचित होना, अस्तित्व प्रदान होना, काम के योगय होना (3)
20. गतिहीन, स्थितर, अचल, न डिगने वाला (2)

वर्ग पहेली 1367 का हल

त	स	ली	मा	न	स	री	न
ब	न	ना	■	ज	ल	ज	■
ला	म	■	सा	फ	■	न	न
■	क	बी	र	■	मा	ल	वा
उ	दा	र	■	आ	शा	■	ब
मा	■	ब	द	न	■	रो	जा
प	ह	ल	■	बा	ग	■	दा
ति	ल	■	जी	न	त	■	■

घर बैठे पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है, पोर्टल संपदा 2.0 में

मध्यप्रदेश में विकसित की गई ई-पंजीयन एवं ई-मुद्रांक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली का नवीन संस्करण 2.0 विकसित किया गया है। इससे नागरिकों को और बेहतर सुविधाएं प्रदान करने में मदद मिली है। संपदा 2.0 से कोई भी व्यक्ति अब घर बैठे निर्धारित दस्तावेजों का पंजीयन कर सकता है। इसके लिये विभागीय पोर्टल पर कोई भी व्यक्ति स्वयं पंजीकृत होकर अपने दस्तावेज का पंजीयन अथवा ई-स्टाम्प जारी कर सकता है। राज्य सरकार ने इसकी प्रक्रिया को बहुत सरलीकृत कर दिया है। अब दस्तावेजों के पंजीयन के लिये कार्यालय आने अथवा सेवा प्रदाता की सेवाएं लेने की आवश्यकता नहीं रही है। संपदा 2.0 पोर्टल में पंजीयन कार्य करने वाले पक्षकारों की ₹आधार₹ बेस्ड ई-केवायसी होगा। इसमें पेन कार्ड का सत्पापन आयकर विभाग के इंटीग्रेटेड सिस्टम पर आधारित होगा। संपत्ति की पहचान यूनिक आईडी से की जा सकेगी। संपत्ति की जियो मैपिंग के आधार पर ही गाइडलाइन दर निर्धारित होगी। इस आधार पर स्वतः ही संपत्ति का मूल्यांकन हो जायेगा। इस सॉफ्टवेयर में ऑटोमेटिक प्रारूप आधारित लेखन की व्यवस्था की गई है। शुल्कों के भुगतान के लिये संपदा वॉलेट मौजूद है। समस्त भुगतान सायबर ट्रेजरी या संपदा वॉलेट से सिंगल क्लिक द्वारा किया जा सकता है। पोर्टल में दस्तावेजों के निष्पादन की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल हस्ताक्षर आधारित किया गया है।

० संतोष मिश्रा

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

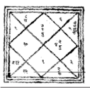

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14.04 तक- अमृत
20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशिः आज आप अपने दिन की शुरूआत किसी गरीब की मदद करके करेंगे। आज आपके घर में कोई धार्मिक अनुष्ठान होने से घर में भक्ति भावना का माहौल बना रहेगा। पारिवारिक रिश्तों में हो रही गलतफहमियां आज दूर होंगी।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे। किसी को उधार दिया हुआ पैसा आज आपको अचानक वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से फायदा मिलने की उम्मीद बढ़ेगी।

मिथुन राशिः आज आपके सोचे हुए सभी काम पूरे हो जायेंगे। आपका दिन अच्छा रहेगा। आपके लिये बहुत-सी चीजें आज फायदेमंद हो सकती हैं। आप किसी नए बिजनेस में पैसा लगाने के बारे में सोच सकते है। विवाहितों के लिये आज का दिन बढ़िया है।

कर्क राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला हैं। जरूरत से ज्यादा सोचने से बचें और अपने काम पर फोकस करें, आपका सोशल नेटवर्क मजबूत बनेगा। व्यापार में आपकी मुलाकात अनुभवी लोगों से होगी,

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आप माता- पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जायेंगे। घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा बन जायेगा। किसी काम में की गई मेहनत जरूर सफल होगी।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों की नई सौगात लाया है। जीवनसाथी की बेहतर सलाह से आपको पैसे कमाने का नया जरिया प्राप्त होगा। आज आपको सयंम से काम लेने की जरुरत है, धैर्य बनाये रखें सब ठीक होगा। तुला राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है,

आज आप जो भी काम शुरू करेंगे उसमें आपको सफलता जरुर मिलेगी। जो लोग सरकारी नौकरी से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन उत्तम रहने वाला है। लंबे समय से प्रमोशन में आ रही रुकावट आज दूर होगी।

वृश्चिक राशिः आज काम के लिए आपके मन में कोई नया विचार आ सकता है। आप उस पर जल्द ही काम भी शुरू कर सकते हैं। लेकिन आज दिन खत्म होते-होते आपको ऐसा लग सकता है कि आपका कोई काम पूरा नहीं हो पाया है, लेकिन आपको धैर्य रखने की आवश्यकता है।

धनु राशिः आज खुद की मेहनत से आप परिवार की अपेक्षाओं पर खरे उतरने में कामयाब होंगे। आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। किसी जरूरी काम में आज आपको सफलता मिल सकती है। इस राशि के मीडिया से जुड़े लोगों के लिये आज का दिन बेहतर रहेगा।

मकर राशिः आज आपका दिन बीते दिनों की तुलना में बढ़िया रहने वाला है। आपको दूसरों से अपनी पर्सनल बात शेयर करने से बचना चाहिए। आज आपको ध्यान से अपना काम करने की जरूरत है।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। किसी अधूरे काम में आज हाथ लगाने से वह जल्द ही पूरा हो सकता है। आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। कार्यक्षेत्र में बढ़ोत्तरी के लिये आपको नया मौका मिल सकता है। इस राशि के छात्र अगर योजना बनाकर तैयारी करेंगे, त

मीन राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। बिजनेस के सिलसिले में आपको यात्रा करनी पड़ सकती है। किसी से बात करते समय आपको विनम्र स्वभाव रखना चाहिए। इससे लोगों पर आपका प्रभाव पड़ेगा।

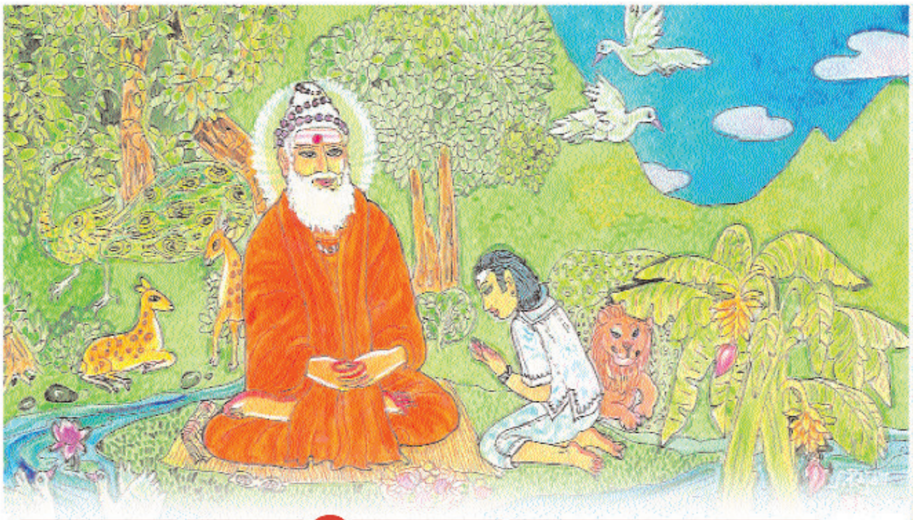

आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहते हैं। इस दिन गुरु पूजा का विधान है। गुरु पूर्णिमा वर्षा ऋतु के आरम्भ में आती है। इस दिन से चार महीने तक परिव्राजक साधु-सन्त एक ही स्थान पर रहकर ज्ञान की गंगा बहाते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से भी सर्वश्रेष्ठ होते हैं। न अधिक गर्मी और न अधिक सर्दी। इसलिए अध्ययन के लिए उपयुक्त माने गए हैं। जैसे सूर्य के ताप से तप्त भूमि को वर्षा से शीतलता एवं फसल पैदा करने की शक्ति मिलती है, वैसे ही गुरु-चरणों में उपस्थित साधकों को ज्ञान, शान्ति, भक्ति और योग शक्ति प्राप्त करने की शक्ति मिलती है। यह दिन महाभारत के रचयिता कृष्ण द्वैपायन व्यास का जन्मदिन भी है। वे संस्कृत के प्रकांड विद्वान थे और उन्होंने चारों वेदों की भी रचना की थी। इस कारण उनका एक नाम वेद व्यास भी है। उन्हें आदिगुरु कहा जाता है और उनके सम्मान में गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा नाम से भी जाना जाता है। भक्तिकाल के संत घीसादास का भी जन्म इसी दिन हुआ था वे कबीरदास के शिष्य थे। शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है- अंधकार या मूल अज्ञान और रु का का अर्थ किया गया है- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है।

गुरु साक्षात परब्रम्ह...

शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है- अंधकार या मूल अज्ञान और रु का का अर्थ किया गया है- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात दो अक्षरों से मिलकर बने गुरु शब्द का अर्थ - प्रथम अक्षर गु का अर्थ- अंधकार होता है जबकि दूसरे अक्षर रु का अर्थ- उसको हटाने वाला होता है। अर्थात् अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है। गुरु वह है जो अज्ञान का निराकरण करता है अथवा गुरु वह है जो धर्म का मार्ग दिखाता है। श्री सद्गुरु आत्म-ज्योति पर पड़े हुए विधान को हटा देता है। ओशो कहते हैं गुरु के बारे में कि गुरु का अर्थ है- ऐसी मुक्त हो गई चेतनाएं, जो ठीक बुद्ध और कृष्ण जैसी हैं, लेकिन तुम्हारी जगह खड़ी हैं, तुम्हारे पास हैं। कुछ थोड़ा-सा ऋण उनका बाकी है- शरीर का, उसके चुकने की प्रतीक्षा है। बहुत थोड़ा समय है। ...गुरु एक पैराडॉक्स है, एक विरोधाभास है - वह तुम्हारे बीच और तुमसे बहुत दूर, वह तुम जैसा और तुम जैसा बिलकुल नहीं, वह कारागृह में और परम स्वतंत्र।

अगर तुम्हारे पास थोड़ी सी भी समझ हो तो इन थोड़े क्षणों का तुम उपयोग कर लेना, क्योंकि थोड़ी देर और है वह, फिर तुम लाख चिल्लाओगे सदियों-सदियों तक, तो भी तुम उसका उपयोग न कर सकोगे। रामाश्रयी धारा के प्रतिनिधि गोस्वामीजी वाल्मीकि से राम के प्रति कहलवाते हैं कि-

तुम तें अधिक गुरहिं जिय जानी।

राम आप तो उस हृदय में वास करें- जहां आपसे भी गुरु के प्रति अधिक श्रद्धा हो। लीलारस के रसिक भी मानते हैं कि उसका दाता सद्गुरु ही है- श्रीकृष्ण तो दान में मिले हैं। सद्गुरु लोक कल्याण के लिए मही पर नित्यावतार है- अन्य अवतार नैमितिक हैं। संत जन कहते हैं-

राम कृष्ण सबसे बड़ा उनहूं तो गुरु कीन्ह।
तीन लोक के वे धनी गुरु आज्ञा आधीन॥

गुरु तत्व की प्रशंसा तो सभी शास्त्रों ने की है। ईश्वर के अस्तित्व में मतभेद हो सकता है, किन्तु गुरु के लिए कोई मतभेद आज तक उत्पन्न नहीं हो सका। गुरु को सभी ने माना है। प्रत्येक गुरु ने दूसरे गुरुओं को आदर-प्रशंसा एवं पूजा सहित पूर्ण सम्मान दिया है। भारत के बहुत से संप्रदाय तो केवल गुरुवाणी के आधार पर ही कायम हैं।

गुरु ने जो नियम बताए हैं उन नियमों पर श्रद्धा से चलना उस संप्रदाय के शिष्य का परम कर्तव्य है। गुरु का कार्य नैतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक समस्याओं को हल करना भी है।

राजा दशरथ के दरबार में गुरु वशिष्ठ से भला कौन परिचित नहीं है, जिनकी सलाह के बगैर दरबार का कोई भी कार्य नहीं होता था। गुरु की भूमिका भारत में केवल आध्यात्म या धार्मिकता तक ही सीमित नहीं रही है, देश पर राजनीतिक विपदा आने पर गुरु ने देश को उचित सलाह देकर विपदा से उबारा भी है। अर्थात् अनादिकाल से गुरु ने शिष्य का हर क्षेत्र में व्यापक एवं समग्रता से मार्गदर्शन किया है। अतः सद्गुरु की ऐसी महिमा के कारण उसका व्यक्तित्व माता-पिता से भी ऊपर है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक के अनुसार-

यस्य देवे परा भक्तिर्यथा देवे तथा गुरु

अर्थात जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। बल्कि सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है।

अपनी महत्ता के कारण गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा पद दिया गया है। शास्त्र वाक्य में ही गुरु को ही ईश्वर के विभिन्न रूपों- ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश्वर के रूप में

स्वीकार किया गया है। गुरु को ब्रह्मा कहा गया क्योंकि वह शिष्य को बनाता है नव जन्म देता है। गुरु, विष्णु भी है क्योंकि वह शिष्य की रक्षा करता है। गुरु, साक्षात महेश्वर भी है क्योंकि वह शिष्य के सभी दोषों का संहार भी करता है। संत कबीर कहते हैं-

हरि रूठे गुरु ठौर है, गुरु रूठे नहि ठौर॥

अर्थात् भगवान के रूठने पर तो गुरु की शरण रक्षा कर सकती है किंतु गुरु के रूठने पर कहीं भी शरण मिलना संभव नहीं है। जिसे ब्राह्मणों ने आचार्य, बौद्धों ने कल्याणमित्र, जैनों ने तीर्थंकर और मुनि, नाथों तथा वैष्णव संतों और बौद्ध सिद्धों ने उपास्य सद्गुरु कहा है उस श्री गुरु से उपनिषद् की तीनों अग्नियां भी थर-थर कांपती हैं। त्रैलोक्यपति भी गुरु का गुणगान करते हैं। ऐसे गुरु के रूठने पर कहीं भी ठौर नहीं। अपने दूसरे दोहे में कबीरदास जी कहते हैं-

सतगुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपकार लोचन
अनंत, अनंत दिखावण हार।

अर्थात् सद्गुरु की महिमा अपरंपार है। उन्होंने शिष्य पर अनंत उपकार किए हैं। उसने विषय-वासनाओं से बंद शिष्य की बंद आंखों को ज्ञान चक्षु द्वारा खोलकर उसे शांत ही नहीं अनंत तत्व ब्रह्म का दर्शन भी कराया है। आगे इसी प्रसंग में वे लिखते हैं।

भली भई जुगुर मिल्या, नहीं तर होती हांणि।
दीपक दिष्टि पतंग ज्यूं, पड़ता पूरी जाणि।

अर्थात् अच्छा हुआ कि सद्गुरु मिल गए, वरना बड़ा अहित होता। जैसे सामान्यजन पतंगे के समान माया की चमक-दमक में पड़कर नष्ट हो जाते हैं वैसे ही मेरा भी नाश हो जाता। जैसे पतंगा दीपक को पूर्ण समझ लेता है, सामान्यजन माया को पूर्ण समझकर उस पर अपने आपको न्यौछावर कर देते हैं। वैसी ही दशा मेरी भी होती। अतः सद्गुरु की महिमा तो ब्रह्मा, विष्णु और महेश भी गाते हैं, मुझ मनुष्य की बिसात क्या?

दुनिया के समस्त गुरुओं को मेरा नमन।

आदिगुरू की रात है गुरु पूर्णिमा की रात

गुरु पूर्णिमा की यह रात हमारे प्रथम गुरु, आदिगुरु की रात के रूप में जानी जाती है। मानव इतिहास में पहली बार आज के ही दिन मानव जाति को याद दिलाया गया था कि उनका जीवन पहले से तय नहीं है। अगर मेहनत करना चाहे तो अस्तित्व का हर दरवाजा इंसान के लिए खुला है। ज़रूरी नहीं कि इंसान साधारण-से कुदरती नियमों के दायरे में बंद रहे। सीमाओं का बंधन इंसान की सबसे बड़ी तकलीफ है। हिंदुस्तान और कुछ हद तक अमेरिका में हम जेलों में बंदियों के लिए प्रोग्राम करते रहे हैं और हर बार जेल के अंदर घुसते ही मुझे वहां की हवा में दर्द का अहसास हुआ है। ऐसा अहसास जिसका मैं कभी बयान नहीं कर सकता। मैं बहुत भावुक किस्म का इंसान नहीं हूं लेकिन ऐसा एक बार भी नहीं हुआ कि वहां जाकर मेरी आंखों में आंसू न उमड़े हों क्योंकि वहां की हवा में बेइंतहा दर्द है। यह सीमाओं में बंद रहने का दर्द है।

क्या थी आदियोगी की शिक्षा?

वे दार्शनिक सिद्धांतों का बखान नहीं कर रहे थे और न ही कोई धार्मिक कट्टरता सिखा रहे थे। वे एक वैज्ञानिक विधि की बात कर रहे थे जिसके जरिये आप उन सीमाओं को मिटा सकते हैं जो कुदरत ने इंसानी जिंदगी के लिए बनायी हैं।

हम जो भी सीमा रेखा खींचते हैं शुरू में उसका लक्ष्य होता है सुरक्षा, लेकिन आगे चल कर अपनी सुरक्षा और आत्मरक्षा की ये सीमाएं हमारे ही कैद की दीवार बन जाती हैं। इन सीमाओं का कोई एक रूप-रंग नहीं है; इन सीमाओं ने बहुत-से जटिल रूप ले लिये हैं। ये महज मनोवैज्ञानिक सीमाएं नहीं हैं बल्कि आपकी हिफाज़त और खुशहाली के लिए बनी कुदरती सीमाएं हैं। इंसान की प्रकृति ऐसी है कि उसको बंधन की सीमाओं के परे गए बिना उसे सच्ची खुशहाली का अहसास नहीं होता। इंसान की दशा अजीब है मुसीबत में होने पर वह अपने चारों ओर किले की सुरक्षा चाहता है, लेकिन खतरा टलते ही चाहता है कि ये किले गिर जायें, गायब हो जायें। अपनी हिफाज़त के लिए अपने ही द्वारा खड़े किये गये किले जब हमारे चाहने पर गिर कर गायब नहीं होते तब हम इनके अंदर बंदी जैसा महसूस करने लगते हैं और हमारा दम घुटने लगता है।

बंधन के इन किलों को अपने लक्ष्य के पाने में इस्तेमाल करना और जरूरत न होने पर इनको गिरा देने की काबिलियत रखना यही शिव की शिक्षा थी। कैसे बनायें ऐसा जादुई किला जिसको कोई दुश्मन भेद न सके पर आप जब चाहें इस पार से उस पार आ-जा सकें? शिव ने बहुत-से आश्चर्यजनक तरीके बताये। बदकिस्मती से मुट्ठी-भर इंसान भी ऐसे नहीं हैं जो अपनी बंधनों की प्रकृति को समझने और उससे बाहर निकलने के तरीकों की खोज करने के लिए ज़रूरी एकाग्रता, धैर्य और दिलचस्पी रखते हों। लोग सोचते हैं कि नशीली दवाएं ले कर, सिगरेट पी कर, अच्छा खा कर या फिर अच्छी नींद ले कर इस बंदिश से छूट जायेंगे। मुक्ति के तरीके इतने सरल नहीं हैं। यह हिफाज़त का कितना अनोखा डिज़ाइन है! पर जो इंसान नहीं देख पाता कि वह अंदर और बाहर दोनों तरफ से बंधन है वह इसका मकसद नहीं जान पाता, क्योंकि वह कभी बाहर जा ही नहीं पाया है।

सप्त ऋषि भी सराहनीय हैं

गुरु पूर्णिमा का दिन इस बात का उत्सव मनाने के लिए है कि आज के ही दिन पहली बार मानव जाति के लिए ऐसी नयी सोच, ऐसा असाधारण काम शुरू हुआ। मैं आदियोगी के आगे उनकी महानता के लिए सिर झुकाता हूं पर आदियोगी की सराहना से ज्यादा मेरी सराहना उन सात ऋषियों के लिए है जिन्होंने खुद को इतना ऊंचा उठाया कि आदियोगी उनको नजर-अंदाज न कर सके। मुझे नहीं लगता कि किसी दूसरे गुरु को ऐसे सात लोग मिल पाये जिनके साथ वे हर मनचाही चीज़ साझा कर पाते और जो इतने काबिल होते कि उनकी बतायी हर चीज को ग्रहण कर पाते। अनेक योगियों और गुरुओं को बहुत अच्छे शिष्य मिले जिनके ऊपर उन्होंने अपनी कृपा बरसा कर उनको तृप्त किया। लेकिन किसी भी गुरु को वैसे सात शिष्य नहीं मिल पाये जिनके साथ वे अपना ज्ञान साझा कर पाते। ऐसा अब तक नहीं हुआ है हम अब भी कोशिश कर रहे हैं।

गुरु पूर्णिमा के दिन शुरू हुआ था ज्ञान का प्रसार

आदियोगी ने लगभग 15,000 वर्ष पूर्व, पहले योग कार्यक्रम का आरंभ किया था। आदियोगी यानी 'पहला योगी'। उन्होंने कभी अपना परिचय देने की जरूरत नहीं समझी, न ही लोग उनका नाम जानते थे इसलिए वे उन्हें आदियोगी के नाम से पुकारने लगे। उन्होंने अपने पहले सात शिष्यों को उपेक्षित करने की पूरी कोशिश की। आज भारत, उन सातों शिष्यों को सप्तर्षियों के नाम से जानता है। ये वे सात ऋषि हैं, जिन्हें सारे आध्यात्मिक ज्ञान का आधार माना जाता है। उन्होंने ही इसका संप्रेषण किया। उन्होंने गुरु का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए बहुत प्रयास किए। गुरु ने अपनी ओर से उनकी पूरी उपेक्षा की। वे अपने योग से मिले परमानंद का उपभोग करना चाहते थे। वे उन्हें शिक्षा नहीं देना चाहते थे। वे नहीं चाहते थे कि कोई उनके आनंद में बाधा दे, पर वे ऋषि अनेक वर्षों तक अपने हठ पर अड़े रहे।

परंपराओं से मिले ज्ञान के अनुसार, वे लगभग 84 वर्ष वहीं रहे। हम नहीं जानते, पर निश्चित रूप से वे लंबे समय तक उनके इंतज़ार में रहे।

गुरु पूर्णिमा की विशेषता

ज्ञान का संचरण अगली पूर्णिमा से आरंभ हुआ था, पर अब वह समय है, जब उन्होंने अपने सातों शिष्यों पर पूरा ध्यान दिया। यह वर्ष बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि एक बार फिर ग्रीष्म अयनात और पूर्णिमा, एक ही दिन आ रहे हैं। यह एक दुर्लभ संयोग है। योग गाथाओं के अनुसार उन्होंने शिष्यों को 28 दिनों तक ध्यान से देखा। इसका अर्थ हुआ कि उस काल में उत्तरायण से दक्षिणायन का परिवर्तन पूर्णिमा के दिन हुआ था। इस साल भी ऐसा ही हुआ है। हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि इस वर्ष, हम सब एक साथ हैं। आपके शिक्षा तंत्र व आपकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमियां आपको भीतर की ओर मुड़ने के लिए कोई शिक्षा नहीं देती। वे सब आपको बाहरी तौर पर कुछ करना सिखा रही हैं यह सब कुछ संसार को ठीक रखने के लिए है। हमने इस संसार को इतना ठीक कर दिया है कि अगर अब थोड़ा सा भी और प्रयास हुआ, तो यह संसार ही नहीं रहेगा। हमने इस संसार में जो कुछ भी प्रयत्न किए, वह मनुष्य के कल्याण के लिए थे। संसार तो ठीक हुआ पर हमें खुशहाली नहीं मिली। क्योंकि जब तक आप अपने भीतर नहीं झांकेंगे, तब तक यह संभव नहीं हो सकता।

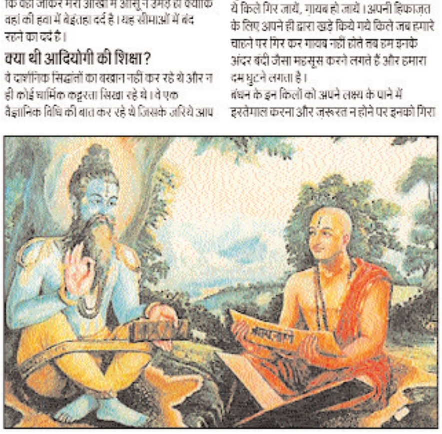

क्या करें गुरु पूर्णिमा के दिन

भारत भर में गुरु पूर्णिमा पर्व बड़ी श्रद्धा व धूमधाम से मनाया जाता है। आषाढ़ के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को ही गुरु पूर्णिमा कहते हैं। इस दिन गुरु पूजा का विधान है। वैसे तो देश भर में एक से बड़े एक अनेक विद्वान हुए हैं, परंतु उनमें महर्षि वेद व्यास, जो चारों वेदों के प्रथम व्याख्याता थे, उनका पूजन आज के दिन किया जाता है। प्राचीन काल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करता था, तो इसी दिन श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर अपने गुरु का पूजन करके उन्हें अपनी शक्ति, अपने सामर्थ्यानुसार दक्षिणा देकर कृतकृत्य होता था। हमें वेदों का ज्ञान देने वाले व्यासजी ही हैं, अतः वे हमारे आदिगुरु हुए। इसीलिए इस दिन को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। उनकी स्मृति हमारे मन मंदिर में हमेशा ताजा बनाए रखने के लिए हमें इस दिन अपने गुरुओं को व्यासजी का अंश मानकर उनकी पाद-पूजा करनी चाहिए तथा अपने उज्वल भविष्य के लिए गुरु का आशीर्वाद जरूर ग्रहण करना चाहिए। साथ ही केवल अपने गुरु-शिक्षक का ही नहीं, अपितु माता-पिता, बड़े भाई-बहन आदि की भी पूजा का विधान है।

क्या करें गुरु पूर्णिमा के दिन

- प्रातः घर की सफाई, स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर साफ-सुथरे वस्त्र धारण करके तैयार हो जाएं.
- घर के किसी पवित्र स्थान पर पटिए पर सफेद वस्त्र बिछाकर उस पर 12-12 रेखाएं बनाकर व्यास-पीठ बनाना चाहिए.
- फिर हमें गुरुपरंपरासिद्धयर्थं व्यासपूजां करिष्ये मंत्र से पूजा का संकल्प लेना चाहिए.
- तत्पश्चात दसों दिशाओं में अक्षत छोड़ना चाहिए.
- फिर व्यासजी, ब्रह्माजी, शुकदेवजी, गोविंद स्वामीजी और शंकराचार्यजी के नाम, मंत्र से पूजा का आवाहन करना चाहिए.
- अब अपने गुरु अथवा उनके चित्र की पूजा करके उन्हें यथा योग्य दक्षिणा देना चाहिए.

गुरु पूर्णिमा पर यह भी है खास

- गुरु पूर्णिमा पर व्यासजी द्वारा रचे हुए ग्रंथों का अध्ययन-मनन करके उनके उपदेशों पर आचरण करना चाहिए.
- यह पर्व श्रद्धा से मनाना चाहिए, अंधविश्वास के आधार पर नहीं.
- इस दिन वस्त्र, फल, फूल व माला अर्पण कर गुरु को प्रसन्न कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए.
- गुरु का आशीर्वाद सभी-छोटे-बड़े तथा हर विद्यार्थी के लिए कल्याणकारी तथा ज्ञानवर्द्धक होता है.
- इस दिन केवल गुरु (शिक्षक) ही नहीं, अपितु माता-पिता, बड़े भाई-बहन आदि की भी पूजा का विधान है.

मनेन्द्रगढ़ जिले में अब तक 295.8 मिमी वर्षा दर्ज

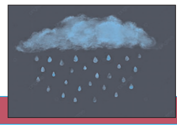

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले की भू-अभिलेख विभाग के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अब तक जिले में औसतन 295.8 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है। बीते 24 घंटे में हालांकि केवल 0.4 मिमी वर्षा दर्ज की है, वहीं तहसीलवार वर्षा वितरण की बात करें तो भरतपुर तहसील में सबसे अधिक 364.2 मिमी बारिश हुई है, जो जिले में सबसे ऊपर है। इसके अलावा चिरमिरी में 335.7 मिमी, कोटाडोल में 320.1 मिमी, खड़गवां में 295.6 मिमी, मनेंद्रगढ़ में 246.1 मिमी और केल्हारी में 213.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

नेत्रहीन विद्यालय में सोल्लास मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

अभावों के बीच नेत्रहीन विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा से बनाई विशिष्ट पहचान

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले का एकमात्र नेत्रहीन छात्रों के संवर्धन हेतु संचालित आमाखेरवा मनेन्द्रगढ़ स्थित नेत्रहीन विद्यालय में नवप्रवेशी छात्रों के सम्मान में शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ के उपाध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा, रश्मि सोनकर के साथ संस्था प्राचार्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर सरस्वती वंदना के साथ किया गया। मुख्य अतिथि धर्मेंद्र पटवा व रश्मि सोनकर के द्वारा नव प्रवेशी छात्रों का स्वागत तिलक लगाकर व छात्रों को अध्ययन हेतु ब्रेल किट प्रदान करते हुए मुंह मीठा कर किया गया। छात्रों के द्वारा

अतिथियों के सम्मान में स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में नपा उपाध्यक्ष पटवा ने अपने आशीर्वचन में कहा कि मुझे यहां आने का अवसर प्राप्त होता रहा है। यहां आकर अत्यंत आनंद की अनुभूति होती है यहां के बच्चों की उपलब्धि प्रशंसनीय है। अभाव के बीच भी यहां के बच्चे अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए हैं। उन्होंने नव प्रवेशी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। संस्था के प्राचार्य संतोष चढोकर ने बताया कि इस वर्ष 2025 में संस्था में चार छात्रों क्रमशः कक्षा पहली में 1, कक्षा छठवीं में 1 तथा कक्षा नवमीं में 2 छात्रों का प्रवेश हुआ है एवं आगे भी संस्था में प्रवेश जारी है। संस्था का वर्ष 2025 में भी परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। प्राचार्य ने बताया कि जिले का एकमात्र विद्यालय होने के साथ ही पूरे छत्तीसगढ़ में हाई स्कूल स्तर का विद्यालय भी है साथ ही संस्था द्वारा आगे की कक्षा एवं महाविद्यालय में अध्ययनरत नेत्रहीन छात्रों को निःशुल्क आवास एवं अध्ययन हेतु अन्य सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। रश्मि सोनकर ने कहा कि यहां पर छात्रों को अच्छी शिक्षा मिले इसके लिए समिति एवं यहां के सभी कर्मचारी पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं इससे विद्यालय निरंतर प्रगति के साथ आगे बढ़ता जा रहा है। संस्था में छात्रों को संपूर्ण व्यवस्था निःशुल्क प्राप्त है। यहां के छात्र विभिन्न क्षेत्रों में सफलतापूर्वक अपनी सेवाएं दे रहे हैं, यह हमारे नगर के लिए गौरव की बात है, उन्होंने बच्चों को शुभकामनाएं दी। प्रवेशोत्सव के अवसर पर छात्रों को विशेष भोजन भी दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रचार संतोष चढोकर, शिक्षक गोपाल तिवारी, रामनाथ रहड़वे, राकेश गुप्ता, टकेश्वर यादव, रामनारायण कश्यप, प्रतीक कुमार एवं कर्मचारी गीता, बबली, सुरेश प्रसाद, रणजीत सिंह, राहुल व अंकुश कुमार आदि का सराहनीय योगदान रहा।

न्यूज गैलरी

बैकुंठपुर कि उम्मीदो पर ताला शहरी रेलवे आरक्षण केंद्र बना वीरान घर जनता कहां जाए?

कोरिया बैकुंठपुर। नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर की नेता प्रतिपक्ष अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने शहर में लंबे समय से बंद पड़े रेलवे शहरी आरक्षण केंद्र को लेकर उन्होंने कहा कभी जिस आरक्षण केंद्र के खुलने पर बैकुंठपुर के लोगों ने राहत की सांस ली थी, आज वही केंद्र वीरान पड़ा है – गेट पर ताला, अंदर सन्नाटा और बाहर टिकट की उम्मीद में खड़े लोग! यह केंद्र चर्चा रेलवे स्टेशन के १२ किलोमीटर लंबे सफर से निजात दिलाने के उद्देश्य से खोला गया था। लेकिन अब इसे बिना किसी सूचना या कारण बताए बंद कर दिया गया है। न रेलवे विभाग ने कोई कारण बताया, न वैकल्पिक व्यवस्था की गई।ना समय की कद्र रही, ना जेब की बचत – ऊपर से अफसरों की चुप्पी! लोगों का कहना है कि जहां पहले टिकट बुकिंग में १० मिनट लगते थे, अब आधा दिन खर्च हो जाता है। किराया अलग, धूप-पसीना अलग और परेशानी अपनी जगह।इस समस्या को लेकर अन्नपूर्णा प्रभाकरसिंह ने कलेक्टर कोरिया व मंडल रेल प्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल छत्तीसगढ़ आरक्षण केंद्र बिलासपुर से हस्तक्षेप की मांग की है।उन्होंने कहा कि यह सुविधा हर वर्ग के लिए अत्यंत जरूरी थी – महिला हो, बुजुर्ग, छात्र या व्यापारी – सभी को इसका सीधा लाभ मिल रहा था। अब वह सुविधा अचानक बंद कर दी गई है, जिससे जनता असहाय महसूस कर रही है।नेता प्रतिपक्ष अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने प्रशासन का ध्यान आकर्षण करवाते हुए मांग की हैं, शहरी रेलवे आरक्षण केंद्र को उसी स्थान पर तत्काल पुनः चालू किया जाए। कर्मचारियों की स्थाई तैनाती की जाए, जिससे सेवा स्थायी रूप से जारी रह सके। संचालन का स्पष्ट समय निर्धारित किया जाए, ताकि लोगों को भ्रम की स्थिति न हो। जनता पूछ रही है क्या हम शहर में रहकर भी गांव जैसी सुविधाओं को तरसेंगे क्या हमारी छोटी-छोटी जरूरतें प्रशासन की उदासीनता के नीचे दबती रहेंगी नेता प्रतिपक्ष अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने प्रशासन से सीधा सवाल किया रेलवे की पटरियों पर तो ट्रेनें दौड़ रही हैं, तो फिर बैकुंठपुर शहर की उम्मीदों पर ताला क्यों पड़ा है।

समर्पण भाव से करेंगे संगठन और समाज हित के कार्य-जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी

कोरिया बैकुंठपुर - भारतीय जनता पार्टी मंडल शिवपुर-चरचा के स्थानीय जनप्रतिनिधि व मंडल पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक सर्किट हॉउस चरचा मे संपन्न हुआ। बैठक मे मुख्य रुप से जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह, जिला महामंत्री कपिल जायसवाल, जिला मंत्री प्रदीप तिवारी, नपाध्यक्ष अरुण जायसवाल, जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े उपस्थित रहें।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त एवं पार्टी को मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता जनसेवा की भावना से काम कर केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएँ।

जिलाध्यक्ष श्री तिवारी ने जनप्रतिनिधियों से उनके क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों और कार्य योजना की समीक्षा कर आगामी कार्य योजनाओं के बारे मे मार्गदर्शन किया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों को पार्टी संगठन के विभिन्न अभियानों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। बैठक को अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया।

इस बैठक मे मंडल महामंत्री मुन्ना चक्रधारी, सचिन मलिक, श्याम नारायण यादव, धर्मपाल, संजय देवांगन, कुण्डल साय कुजूर, धनेश्वरी राजवाड़े, झर्मिला देवी, हरिनारायण अग्रवाल, विश्वनाथ, आदित्य जायसवाल, प्रदीप गुप्ता सहित मंडल पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें।

भाषा साहित्य के लिए रहे, इस पर राजनीति करना दुखद - जायसवाल

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। भाषा पर राजनीति करना दुखद है। भाषा को साहित्य के लिए ही रहने दिया जाए। भाषा साहित्य में अपनी श्रेष्ठतम भूमिका निभा सकती है। एक कलमकार का जीवन इतना बड़ा होता है कि मैं एक स्वयं कहानी बन गया हूँ, जिस पर कई कहानियां लिखी जा सकती है जिसकी शुरूआत मै जल्द ही करुँगा।

उक्ताशय के विचार छत्तीसगढ़ वनमाली सृजन पीठ बिलासपुर के अध्यक्ष सतीश जायसवाल ने निदान सभागार मे वनमाली सृजन केंद्र मनेन्द्रगढ़ द्वारा आयोजित परिचर्चा में व्यक्त किए। उन्होंने भाषा के संबंध में कहा की भाषा पर राजनीति दुखद है भाषा को साहित्य के लिए रहने दिया जाए। प्रेमचंद का साहित्य भाषा का मोहताज नहीं उनकी कहानी उर्दू हिंदी भाषा में लिखने के बाद भी सभी भाषाओं में सम्मान पा रही है। वनमाली सृजन केंद्र कोरिया के संयोजक एवं कार्यक्रम संचालक वीरेंद्र श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए उपस्थित साहित्यकारों से सतीश जायसवाल को पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत करने का अनुरोध किया। साहित्यकार या पत्रकार विषय पर आयोजित परिचर्चा में पत्रकारों के प्रश्नों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा की पत्रकारिता से प्रारंभ अपने जीवन के बीच अपनी साहित्यिक कलम को मैंने हमेशा जिंदा रखा। तत्कालीन धर्मयुग, साप्ताहिक हिंदुस्तान, हंस, जैसी प्रतिष्ठित पत्रिका से प्रारंभ मेरी साहित्य की यात्रा वर्तमान साहित्यिक पत्रिकाएं वागर्थ, समकालीन भारतीय साहित्य जैसी पत्रिकाओं में स्थान पाती रही है। पत्रकारिता में मैंने कुछ दैनिक अखबारों के संपादन का उच्च दायित्व भी निभाया है। वहीं राजकमल प्रकाशन सहित कई प्रकाशकों ने अब तक मेरी लगभग 12 चुनिंदा पुस्तकों को अपने प्रकाशन में स्थान दिया है। वर्तमान में मैंने अपनी भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की यात्रा संस्करण को सूर्य का जलावतरण पुस्तक में व्यक्त करने का प्रयास किया है।

मनेन्द्रगढ़ के साहित्यिक परिवेश को याद करते हुए उन्होंने कहा कि यहां की मिट्टी का अपनत्व मुझे हमेशा खींचता रहा है। 1981-82 में माता चरण मिश्रा एवं बीरेन्द्र श्रीवास्तव के संपादन में निकलने वाली संबोधन संस्था की साइक्लोस्टाइल पत्रिका शुरूआत में मेरी एक सवक्तव्य कालम में विशेष कविता को स्थान मिला था। मनेन्द्रगढ़ एवं बैकुंठपुर के नए सृजनात्मक कार्यो एवं पुस्तकालय सहयोग के कारण 2022 का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय वनमाली सृजन केंद्र का सम्मान मनेन्द्रगढ़, कोरिया को दिया गया था। साहित्यकारों को जोड़ने एवं सतत सक्रियता को बल देने का श्रेय उन्होंने अंचल के साहित्यकार बीरेन्द्र श्रीवास्तव को दिया। परिचर्चा में अपना पक्ष रखते हुए साहित्यकार सतीश उपाध्याय ने कहा कि मुझे खुशी है कि सतीश जायसवाल की जो कविता हमने छत्तीसगढ़ पाठयपुस्तक चयन समिति के माध्यम से पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए अनुशंसा की थी, वह आज कक्षा 10वीं की पाठ्यक्रम में शामिल है। जिला पुरातत्व एवं पर्यटन प्रभारी प्राचार्य विनोद पांडेय ने कहा की यात्रा संस्मरण लेखन के धनी सतीश जायसवाल की मनेन्द्रगढ़ में उपस्थिति उनकी आत्मीयता और यहां की मिट्टी में बसी रचनात्मक उर्वरा उनकी कहानियों का हिस्सा बनेगी। देर रात तक संचालित इस चर्चा में सर्व आदिवासी समाज के संरक्षक परमेश्वर सिंह, व्याख्याता टी. गोपाल राव, रिटायर्ड कृषि विज्ञानी पुष्कर तिवारी, डॉ. विनोद पांडेय, साहित्यकार सतीश उपाध्याय, वनमाली सृजन केंद्र कोरिया के संयोजक बीरेंद्र श्रीवास्तव, आईसेक्ट विद्यालय के प्राचार्य संजीव सिंह, समाज सेवी नरेंद्र श्रीवास्तव, साहित्यकार प्रमोद बंसल एवं डॉ. निशांत श्रीवास्तव सहित पत्रकार प्रशांत तिवारी, राजेश सिन्हा ने मुख्य रूप से अपनी सहभागिता दर्ज करते हुए अपने अपने विचार रखे।

जनदर्शन से मिली राहत-आवेदक ने जिला प्रशासन का जताया आभार

कोरिया बैकुंठपुर - जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में एक और आमजन को राहत मिली। ग्राम चिल्का, तहसील बैकुंठपुर निवासी भुनेश्वर सिंह पिता स्व. रामऔतार, जाति गोंड ने जनदर्शन में आवेदन देकर राजस्व अभिलेखों में सुधार की मांग की थी, जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए जिला प्रशासन द्वारा उचित निराकरण किया गया।

आवेदक ने जानकारी दी कि ग्राम चिल्का स्थित खसरा नंबर ४०, ४६, ५०, ५३, ६०, ६४, १०५, ११९, २२६ कुल रकबा ३.१००० हेक्टेयर भूमि उनके एवं उनकी माता स्व. कौशिल्या के नाम पर संयुक्त रूप से दर्ज थी। उनकी माता कौशिल्या का २७ अप्रैल २०२५ को निधन हो गया, जिसकी सूचना व मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उन्होंने राजस्व अभिलेखों से उनकी माता का नाम विलोपित करने हेतु तहसीलदार बैकुंठपुर के समक्ष आवेदन दिया था। हालांकि, हल्का पटवारी द्वारा ३ जून २०२५ को जांच प्रतिवेदन व पंचनामा प्रस्तुत कर दिया गया था, फिर भी अभिलेखों में संशोधन न होने के कारण श्री सिंह को आदिम जाति सेवा सहकारी समिति से खाद-बीज तथा केसीसी का लाभ नहीं मिल पा रहा था। समिति द्वारा सहखातेदार की सहमति पत्र की मांग की जा रही थी, जो स्वाभाविक रूप से प्रस्तुत किया जाना संभव नहीं था।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देश पर बैकुंठपुर तहसीलदार श्रीमती अमृता सिंह को तत्काल निराकरण के निर्देश दिए गए। तत्पश्चात राजस्व अभिलेखों को दुरुस्त किया गया, तहसीलदार उनके घर पहुंचकर दुरुस्त राजस्व अभिलेख को उपलब्ध कराया, जिससे अब श्री सिंह को भूमि संबंधी लाभ व कृषिगत योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सकेगा। कलेक्टर ने कहा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप हर जरूरतमंद लोगों की मदद करना ही जिला प्रशासन की जिम्मेदारी है और यही वास्तविक सुशासन भी है। उन्होंने कहा हमने सभी तहसीलदारों, पटवारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसानों, ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए समय पर उनका समाधान करें। प्रभावी एवं संवेदनशील कार्यवाही पर भुनेश्वर सिंह ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर के निर्देश का दिखा असर-सड़कों से हटाए जा रहे आवारा मवेशी

कोरिया बैकुंठपुर - सड़कों पर घूम रहे आवारा मवेशियों को हटाने के लिए जनपद पंचायत का अमला सक्रिय हो गया है। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के सख्त निर्देशों के बाद यह अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। विगत दिनों समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने जनपद पंचायत, नगरीय निकायों और पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा था कि सड़कों पर बैठे मवेशियों की वजह से सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है, विशेषकर रात्रि के समय यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस पर तत्काल कार्यवाही करते हुए मवेशियों को सड़क से हटाया जाए और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर के इन निर्देशों का असर दिखने लगा है। जनपद पंचायत बैकुंठपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ खैरवार ने जानकारी दी कि रात्रिकालीन गश्ती अभियान चलाकर जिला सत्र न्यायालय से खरवत चौक और ओढ़गी से जिला सत्र न्यायालय तक के मार्गों से आवारा मवेशियों को हटाया गया है।

लेखक जायसवाल ने छात्रों को अपने कार्य क्षेत्र में निरंतर मेहनत करने प्रेरित किया

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। आईसेक्ट एजुकेशन सेंटर मनेंद्रगढ़ में छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ लेखक सतीश जायसवाल के आगमन पर आईसेक्ट के सभागार में उपस्थित छात्रों एवं आईसेक्ट एजुकेशन सेंटर के संचालक संजीव सिंह द्वारा पुष्प गुच्छ और शॉल भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया गया।

सतीश जायसवाल छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ लेखक हैं, जिनके पास पत्रकारिता कला और साहित्य के क्षेत्र में चार दशकों से अधिक का अनुभव है। पदुमलाल पुन्नालाल क्रिएटिविटी चेयर के पहले अध्यक्ष के रूप में वे छत्तीसगढ़ सरकार के संस्कृति विभाग से जुड़े थे। उनके द्वारा रचित कविता गृह प्रवेश छत्तीसगढ़ 10वीं कक्षा के हिन्दी पाठयक्रम में शामिल है। आईसेक्ट के सभागार में कार्यक्रम की शुरूआत हुई। कार्यक्रम की शुरूआत में वरिष्ठ लेखक वीरेंद्र श्रीवास्तव ने सतीश जायसवाल के जीवन परिचय को आईसेक्ट के बच्चों के समक्ष रखा और उनके बारे में बहुत सारी बातें और कहानियां बताई। उन्होंने सतीश जायसवाल द्वारा रचित कहानी और कविताओं का भी बच्चों के सामने जिक्र किया तथा हाल ही में प्रकाशित सतीश जायसवाल की पुस्तक सूर्य का जलावतरण की जानकारी भी दी। आईसेक्ट एजुकेशन सेंटर संस्था के संचालक संजीव सिंह ने अपने विचार रखते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि आज हम इतने बड़े व्यक्तित्व के बीच बैठे हैं। हमें उनसे जितना कुछ भी मिले उसे ग्रहण करना चाहिए और उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच सतीश जायसवाल ने आईसेक्ट एजुकेशन सेंटर के छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आपका भविष्य आपके हाथ में है। आप आज पढ़ेंगे तो आगे गढ़ेगें। उन्होंने छात्रों को अपने जीवन यात्रा से अवगत कराया किस प्रकार वे यहां तक पहुंचे हैं। उन्होंने आइसेक्ट के विश्वसनीयता के बारे में भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आइसेक्ट के हमारे देश भर में 70 हजार से अधिक ब्रांच हैं जो उसकी विश्वसनीयता को बताता है और आपका भविष्य सही हाथों में है। उन्होंने छात्रों को लगन से अपने कार्य क्षेत्र में निरंतर मेहनत करने के साथ ही लिखने को भी प्रेरित किया। उन्होंने शिक्षा और लेखन की क्षेत्र में अपनी जानकारी भी साझा की। आईसेक्ट संस्था के सभी स्टाफ और फैकल्टी मेंबर ने भी सतीश जायसवाल से मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वाति सिंह, अंजना मौर्य, खुशी साहू, पूर्णिमा, नरेंद्र कौर, क्षितिज खरे एवं उज्जवल सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों से चिरमिरी को मिली बड़ी सौगात, पेयजल संकट होगा समाप्त

पेयजल परियोजना के लिए 185 करोड़ रुपये की मिली वित्तीय स्वीकृति

चिरमिरी - चिरमिरीवासियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के अथक प्रयासों से चिरमिरी क्षेत्र को वर्षों पुरानी पेयजल समस्या से निजात मिलने जा रही है। अमृत मिशन २.० योजना के अंतर्गत राज्य शासन ने चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र में पेयजल परियोजना के लिए १८५ करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। यह परियोजना लंबे समय से पेयजल संकट से जूझ रहे सैकड़ों परिवारों के लिए राहत लेकर आएगी। पानी की अनियमित आपूर्ति और गंदे पानी की समस्या से परेशान क्षेत्रवासियों को अब नियमित और स्वच्छ जल मिल सकेगा। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री और शहरी प्रशासन विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह परियोजना चिरमिरी क्षेत्र के विकास में एक मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने बताया कि जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

जल्द ही चिरमिरी की धरती पर बहता साफ और शुद्ध जल न केवल स्वास्थ्य लाभ देगा बल्कि नागरिकों का जीवन स्तर भी ऊँचा उठाएगा।स्थानीय नागरिकों ने इस पहल के लिए मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का आभार व्यक्त किया और कहा कि वर्षों बाद किसी जनप्रतिनिधि ने क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को गंभीरता से लिया है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत किशोरी बालिकाओं हेतु आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कोरिया बैकुंठपुर - महिला एवं बाल विकास विभाग, कोरिया द्वारा ‘बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ’ योजना के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मिडियम स्कूल, बैकुण्ठपुर में किशोरी बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ७ जुलाई को किया गया था। यह कार्यक्रम माननीय कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाना एवं उन्हें संभावित हिंसात्मक घटनाओं से सुरक्षित रखने हेतु सजग करना है।

प्रशिक्षकों कुमार गौरव एवं श्रीमती खुशबू द्वारा बालिकाओं को आत्मरक्षा के विभिन्न तकनीकी उपायों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के अतिरिक्त, श्रीमती दीपिका पटेल ने बालिकाओं को साइबर सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, सखी वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन १८१, चाइल्ड लाइन १०९८, घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम २००५, महतारी वंदन योजना, मातृत्व वंदन योजना, शक्ति सदन एवं बाल विवाह प्रतिषेध कानून की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में बालिकाओं को आत्मरक्षा तकनीकों के साथ-साथ आत्मविश्वास बढ़ाने के उपाय भी सिखाए गए। इस अवसर पर संरक्षण अधिकारी ने 'गुड टच - बैड टच' के विषय में भी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में जिला मिशन समन्वयक श्रीमती दीपिका पटेल, जेंडर विशेषज्ञ श्रीमती पुष्पा सिंह उपस्थित थे तथा विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार तिवारी, पीटी शिक्षक शैलेष तिवारी सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का सहयोग प्राप्त हुआ।

एप्पल ने भारतीय मूल के सबीह खान को कंपनी का नया मुख्य परिचालन अधिकारी किया नियुक्त

क्यूपर्टिनो ,09 जुलाई । आईफोन मेकर एप्पल ने घोषणा की है कि कंपनी में 30 वर्षों से काम करने वाले भारतीय मूल के सबीह खान अब एप्पल के नए मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) होंगे।

सबीह खान एप्पल में जेफ विलियम्स का स्थान लेने जा रहे हैं, जो इसी महीने इस पद से हट रहे हैं और इस वर्ष के अंत में रिटायर होंगे। यह नेतृत्व परिवर्तन ऐसे समय में हो रहा है जब एप्पल को आईफोन की बिक्री में गिरावट और टैरिफ संबंधी समस्याओं जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जेफ विलियम्स 27 वर्षों से अधिक समय से एप्पल के साथ हैं। वे अब अपने रिटायरमेंट तक कंपनी की डिजाइन टीम और परियोजनाओं का नेतृत्व करते रहेंगे।

Sport
अम्बिकावाणी 07
बैकुण्ठपुर गुरूवार 10 जुलाई, 2025

इंग्लैंड के खिलाफ भारत की प्लेइंग-11 में होंगे बड़े बदलाव, 2 खिलाड़ियों की होगी छुट्टी

नई दिल्ली,09 जुलाई। भारत-इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच 10 जुलाई (गुरुवार) को लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाने वाला है. ये मैच भारत में दोपहर 3:30 बजे से शुरू होगा जबकि टॉस 3:00 बजे होगा. इस मैच में भारत की कप्तानी शुभमन गिल के हाथों में होगी तो वहीं, इंग्लैंड की कप्तानी बेन स्टोक्स करते हुए नजर आएंगे. इस मैच में दोनों टीमों में बड़े बदलाव होने की उम्मीद है. आज हम आपको भारतीय टीम में होने वाले संभावित बदलावों के बारे में बताने वाले हैं.

शुभमन गिल और हेड कोच गौतम गंभीर का भारतीय क्रिकेट टीम की प्लेइंग-11 में एक बड़ा बदलाव करना लगभग तय है. इस मैच के लिए भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को प्लेइंग-11 में शामिल किया जाएगा. बुमराह को हेडिंग्ले में हुए पहले टेस्ट के बाद वर्कलोड के चलते एजबेस्टन में हुए दूसरे टेस्ट से आराम दिया गया है.

अब उन्हें लॉर्ड्स में खिलाया जाएगा, जहां की पिच तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती है. बुमराह के लॉर्ड्स में वापसी की पुष्टि भारतीय कप्तान गिल ने बर्मिंघम में हुए टॉस के दौरान भी की थी. बुमराह ने सीरीज में एकमात्र मैच खेला है जहां उन्होंने पहली पारी में कुल 5 विकेट हासिल किए थे. बुमराह अब लंबे आराम के बाद तीसरे टेस्ट के लिए पूरी तरह से फिट और फ्रेश हैं.

इसके साथ ही इस मैच से नीतीश कुमार रेड्डी को बाहर किया जा सकता है और उनकी जगह पर पिच को ध्यान में रखते हुए शार्दुल ठाकुर को प्लेइंग-11 में शामिल किया जा सकता है. लॉर्ड्स की पिच पर शार्दुल ठाकुर टीम इंडिया के लिए बॉल के साथ ज्यादा कारगर साबित हो सकते हैं.

जसप्रीत बुमराह प्लेइंग-11 में प्रसिद्ध कृष्णा की जगह शामिल हो सकते हैं. तो वहीं नीतीश कुमार रेड्डी को बाहर कर शार्दुल ठाकुर को मौका दिया जा सकता है. शार्दुल ने पहला टेस्ट मैच खेले था, लेकिन कुछ खास कमाल नहीं कर पाए थे. उन्होंने मैच की दूसरी पारी में 2 विकेट चटकाए थे.

भारत की लॉर्ड्स टेस्ट के लिए संभावित प्लेइंग-11

यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर/उपकप्तान), रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप, जसप्रीत बुमराह.

छोटी खबरें

विराट कोहली ने टेस्ट रिटायरमेंट पर तोड़ी चुप्पी, लंदन में बताई संन्यास लेने की सबसे बड़ी वजह

नईदिल्ली, 09 जुलाई। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली इन दिनों लंदन में हैं. जहां उन्हें पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ विंबलडन 2025 में नोवाक जोकोविच का मैच देखते हुए भी देखा गया. इस के अलावा ये स्टार खिलाड़ी लंदन में ही युवराज सिंह के चैरिटी संस्थान यू वी कैन फाउंडेशन के तहत आयोजित एक डिनर में भी पहुंचा, जहां टीम इंडिया के अलावा दुनिया के दिग्गज खिलाड़ी भी मौजूद थे. इस मौके पर विराट कोहली ने पहली बार टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में सार्वजनिक रूप से बात की. जब उनसे पूछा गया कि फैंस आपको टेस्ट क्रिकेट में मिस कर रहे हैं तो इस पर विराट कोहली ने मजेदार बात कही. उन्होंने कहा, मैंने अभी दो दिन पहले ही अपनी दाढ़ी को रंगा है. आप जानते हैं कि जब हर चार दिन में अपनी दाढ़ी को रंगा जाने लगे तो आपको पता चल जाता है कि अब समय आ चुका है. दरअसल कोहली इस मजेदार बात से ये बताना चाह रहे थे कि उनके लिए अब अपने शानदार टेस्ट करियर को अलविदा कहने का समय आ गया है. इस मौके पर विराट कोहली ने युवराज सिंह के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी खुलकर बात की. उन्होंने कहा, हमारे बीच बहुत अच्छा रिश्ता है, जब मैंने भारत के लिए खेलना शुरू किया, तो उन्होंने, भज्जू पा और जहीर खान ने मुझे अपने संरक्षण में लिया. उन्होंने मुझे एक खिलाड़ी के रूप में विकसित होने में बहुत मदद की. उन्हें (युवराज सिंह) विश्व कप 2011 में देखना खास था, उसके बाद हमें जो पता चला वह एक झटका था. इतने करीब होने के बावजूद, हमें कुछ पता ही नहीं था. फिर कैंसर से उनकी लड़ाई और फिर से चैंपियन बनना, शीर्ष पर आना और टीम में वापसी करना, जब मैं टीम का नेतृत्व कर रहा था. मेरे मन में उनके लिए बहुत प्यार और सम्मान है.

बता दें कि विराट कोहली ने दो महीने पहले रोहित शर्मा के टेस्ट से रिटायरमेंट लेने के पांच दिन बाद यानी 12 मई 2025 को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया. कोहली ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा पोस्ट लिखकर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की. कोहली ने 123 टेस्ट मैच की 210 पारियों में 46.85 की औसत और 55.58 की स्ट्राइक रेट से 9,230 रन बनाए. जिसमें 30 शतक और 31 अर्धशतक शामिल थे. इसके अलावा उनके नाम सबसे ज्यादा 7 दोहरे शतक हैं. टेस्ट में उनका उच्चतम स्कोर 254 है.

दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को पारी और 236 रन से दी मात, वियान मुल्डर बने प्लेयर ऑफ द मैच

बुलावायो,09 जुलाई। जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला गया दूसरा टेस्ट मैच मेजबान टीम के लिए निराशाजनक रहा जबकि मेहमान टीम ने इसे जीतकर ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ली है. इस 2 मैचों की टेस्ट सीरीज को 2-0 से जीतकर दक्षिण अफ्रीका ने क्लीन स्वीप कर लिया है. ये मैच दक्षिण अफ्रीका के कार्यवाहक टेस्ट कप्तान वियान मुल्डर के लिए यादगार साबित हुआ है. हालांकि वो ब्रायन लारा का रिकॉर्ड तोड़ नहीं पाए लेकिन प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज बने.

इस मैच में मुल्डर के 367 रनों की बदौलत प्रोटियाज ने बुलावायो में दूसरा टेस्ट पारी और 236 रनों से जीत लिया. मेहमान टीम के 626 रनों के जवाब में जिम्बाब्वे की टीम पहली पारी में 170 रन और दूसरी पारी में 220 रन पर ऑल आउट हो गई. प्रोटियाज ने मंगलवार को तीसरे दिन ही दूसरा टेस्ट जीतकर श्रृंखला 2-0 से जीत ली. इस मैच में वियान मुल्डर ने 334 बॉल में 49 चौके और 4 छक्कों के साथ 367 रनों की पारी खेली. वियान मुल्डर को शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. उन्होंने प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड भी अपने नाम किया. दक्षिण अफ्रीका कप्तान ने इस जीत के बाद कहा, ये बहुत खास है. कुछ ऐसा जिसका मैंने बचपन में सपना देखा था. देश की कप्तानी करना एक क्रिकेटर के तौर पर मिलने वाले सबसे बड़े सम्मानों में से एक है. बहुत गर्व है. मैं पहले टेस्ट में जिस तरह से आउट हुआ, उससे निराश था, बहुत अच्छा महसूस कर रहा था और जोखिम लिया और कुछ और रन गंवा दिए.

उन्होंने आगे कहा, इस खेल में आने से पहले मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ करने की कोशिश की बस परिणाम को जाने दिया और इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि मैं उस समय क्या कर सकता हूं. मैं बस खेलना चाहता हूं, चाहे कोई भी भूमिका हो, कोच तय करता है. मैं कोशिश करूंगा और अच्छा प्रदर्शन करूंगा. हम यहां से उपमहाद्वीप जाएंगे, मेरी भूमिका बदल सकती है लेकिन मैं सिर्फ अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं. बहुत से लोगों ने अपना योगदान दिया, जैसे कोडी, सुब्रायन, सभी ने अपने-अपने तरीके से योगदान दिया और दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट के लिए यह देखना अच्छा है.

भारत ने पाकिस्तान को छोड़ा पीछे, सेना देशों में हासिल की ये बड़ी उपलब्धि

नईदिल्ली,09 जुलाई। बर्मिंघम के एजबेस्टन में पहली टेस्ट जीत दर्ज करती ही भारत ने कई रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए. वो एजबेस्टन में टेस्ट मैच जीतने वाली पहली एशियाई टीम बन गई है. इसके अलावा वहां पहली बार किसी एशियाई टीम 1000 से ज्यादा रन बनाने में कामयाब रही. भारत ने एजबेस्टन टेस्ट की पहली पारी में 587 और दूसरी पारी 427 रन बनाए थे.

एजबेस्टन टेस्ट जीत के साथ भारतीय टीम ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है और वो ये है कि टीम इंडिया अब सेना देशों यानी साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने वाली टीम बन गई है. इससे पहले ये रिकॉर्ड पाकिस्तान के नाम था, जिन्होने 148 मैचों में 29 मुकाबले जीते थे. लेकिन अब ये रिकॉर्ड भारत के नाम हो गया है, जिन्होंने 178 टेस्ट मैचों में 30 मुकाबले जीते हैं. तीसरे नंबर श्रीलंका की टीम है जिसने 76 मुकाबले में सिर्फ 9 टेस्ट मैच सेना देशों में जीते है. जबकि बांग्लादेश ने इन चार देशों में 25 टेस्ट मैच खेले हैं लेकिन उन्हें केवल न्यूजीलैंड में एक जीत मिली है. जो उन्होंने 2022 में हासिल की थी.

टीम इंडिया ने पांच मैचों की सीरीज में पहले टेस्ट में हार के बावजूद दूसरे टेस्ट में शानदार वापसी की और सीरीज एक एक से बराबर कर दी. लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट में भारत 371 रनों को डिफेंड नहीं कर सका, जिसकी वजह से इंग्लैंड ने 5 विकेट खोकर रिकॉर्ड टारगेट चेज करके इतिहास रच दिया. लेकिन एजबेस्टन में खेले गए दूसरे मैच में इंडिया नें इंग्लैंड को 608 रनों का विशाल टारगेट देकर पहले ही मैच से बाहर कर दिया था और फिर पांचवें दिन मेजबान को 241 रनों पर ऑलआउट करके 336 रनों से बड़ी जीत दर्ज की थी. सीरीज का तीसरा मैच 10 जुलाई सो लॉर्ड्स में खेला जाएगा.

भारत सबसे बड़े ऑफशोर एनर्जी प्रयासों के साथ 2.5 लाख वर्ग किलोमीटर से अधिक एरिया में एक्सप्लोरेशन के लिए तैयार

नई दिल्ली ,09 जुलाई । केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा कि दुनिया के सबसे बड़े ऑफशोर एनर्जी एक्सप्लोरेशन प्रयासों में से एक के रूप में, भारत ओपन एकरेज लाइसेंसिंग प्रोग्राम (ओएएलपी) के दसवें दौर के तहत 2.5 लाख वर्ग किलोमीटर से अधिक एरिया में एक्सप्लोरेशन करने के लिए तैयार है।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हम ऊर्जा के एक नए युग में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं! ऑयल एंड गैस एक्सप्लोरेशन और उत्पादन के क्षेत्र में अब कोई बाधा नहीं, केवल संभावनाएं हैं।

इस संबंध में, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने नॉर्वे के बर्गेन में ऑफशोर एनर्जी क्लस्टर की एक बैठक में भाग लिया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'नो गोइ एरिया पर लिया गया साहसिक निर्णय न केवल देश की ऊर्जा क्षमता को बढ़ा रहा है, बल्कि भारत को ऊर्जा क्षेत्र में एक बड़े बदलाव का नेतृत्व करने के लिए भी तैयार कर रहा है।

-------------------------- फिल्म/व्यापार--------------------------

मॉनसून में आयुर्वेद डाइट अपनायें और कुदरती रूप से दमकती और सेहतमंद त्वचा पाएं: डॉ मधुमिता कृष्णन

रायपुर, मॉनसून में त्वचा बेजान हो जाती है और इसमें कोई ग्लो नहीं दिखता। लोग अक्सर बाहरी उपाय अपनाते हैं, जो थोड़ी देर राहत देते हैं, लेकिन बार-बार इस्तेमाल से दाने, काले धब्बे या खुजली हो सकती है। आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. मधुमिता कृष्णन आयुर्वेद विशेषज्ञ सलाह देती हैं कि त्वचा और पूरे शरीर के स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक तरीके अपनाएं। वे कहती हैं कि स्वस्थ खाना खाएं और बादाम, हर्बल चाय और हल्दी जैसे प्राकृतिक चीजों को अपनी डाइट में शामिल करें। आयुर्वेद के मुताबिक, सही खानपान शरीर के तीन दोषों-वात, पित्त और कफ-को संतुलित करता है, जिससे त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनती है, क्योंकि अच्छी त्वचा के लिए अच्छा पाचन जरूरी है। बादाम को डाइट में शामिल करें: बादाम वात दोष को संतुलित करने की क्षमता रखते हैं। यह मौसम के असंतुलन को ठीक करते हैं और शरीर को मजबूती प्रदान करते हैं, जिससे सभी ऊतकों को ऊर्जा और ताजगी मिलती है। आयुर्वेद की पारंपरिक तैयारियों में बादाम का महत्वपूर्ण स्थान है, जो पूरे भारत में लोग अपनाते हैं। त्वचा के स्वास्थ्य के लिए, डॉ. मधुमिता रोजाना नाश्ते में बादाम शामिल करने की सलाह देती हैं ताकि स्वस्थ, चमकदार त्वचा मिले। आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी ग्रंथों में भी बादाम खाने से त्वचा को होने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताया गया है, जो त्वचा की चमक बढ़ाने में मदद करते हैं।

हर्बल चाय को डाइट में शामिल करें: अदरक, तुलसी और कैमोमाइल जैसी हर्बल चाय शरीर को साफ करती हैं और पाचन को बेहतर बनाती हैं, जिससे त्वचा साफ और स्वस्थ रहती है। ये चाय वात, पित्त और कफ दोषों को संतुलित करती हैं और सूजन कम करके मुंहासों जैसी समस्याओं को रोकती हैं। डॉ. मधुमिता सुझाव देती हैं कि ताजा अदरक को पानी में उबालकर, उसमें थोड़ा शहद मिलाकर एक साधारण चाय बनाएं। यह चाय पाचन को ठीक करती है और त्वचा को भीतर से चमक देती है।

जून में एसआईपी निवेश ऑल-टाइम हाई पर, म्यूचुअल फंड एयूएम 74.41 लाख करोड़ रुपए पहुंचा

नई दिल्ली ,09 जुलाई । म्यूचुअल फंड सिस्टेमेटिक इंवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के तहत जून महीने में निवेश 27,269 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जो मई के 26,688 करोड़ रुपए से 2 प्रतिशत अधिक है। यह जानकारी बुधवार को जारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों से मिली।

यह पहली बार है जब एसआईपी निवेश 27,000 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गया है। एएमएफआई के आंकड़ों के अनुसार, म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री की कुल एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर 74.41 लाख करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई, जबकि मई में यह 72.20 लाख करोड़ रुपए और अप्रैल में 69.99 लाख करोड़ रुपए थी।

मई में 29,572 करोड़ रुपए के निवेश की तुलना में जून में कुल म्यूचुअल फंड निवेश मासिक आधार पर 67 प्रतिशत बढ़कर 49,301 करोड़ रुपए हो गया।

जून में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 24 प्रतिशत बढ़कर 23,587 करोड़ रुपए हो गया। ईएलएसएस फंड को छोड़कर सभी इक्विटी कैटेगरी में निवेश हुआ।

इक्विटी कैटेगरी में, लार्ज कैप फंड ने जून में 1,694 करोड़ रुपए के निवेश के साथ बढ़त हासिल की, जो पिछले महीने के 1,250.5 करोड़ रुपए से 35 प्रतिशत अधिक है। स्मॉल कैप फंड में 4,024.5 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जो मई के 3,214 करोड़ रुपए से 25 प्रतिशत अधिक है।

मिड कैप फंडों में भी 3,754 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जो मासिक आधार पर 2,808.7 करोड़ रुपए से 34 प्रतिशत अधिक है।

लाल निशान में खुले सेंसेक्स-निफ्टी, बाजार टैरिफ को लेकर स्पष्टता का कर रहा इंतजार

मुंबई ,09 जुलाई । मिश्रित वैश्विक संकेतों के बीच बुधवार को भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में खुला। शुरूआती कारोबार में आईटी, पीएसयू बैंक और फाइनेंशियल सर्विस सेक्टर में बिकवाली देखी गई। सुबह करीब 9.34 बजे, सेंसेक्स 181.63 अंक या 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83,530.88 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 44.25 अंक या 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,478.25 पर कारोबार कर रहा था। चॉइस ब्रोकिंग के हार्दिक मटालिया ने कहा, सपाट से नकारात्मक शुरूआत के बाद, निफ्टी को 25,500, उससे पहले 25,400 और 25,300 पर समर्थन मिल सकता है। ऊपरी स्तर पर, 25,600 तत्काल प्रतिरोध हो सकता है, उसके बाद 25,700 और 25,800 स्तर पर प्रतिरोध हो सकता है। विश्लेषकों के अनुसार, हाल के वैश्विक बाजार रुझानों से एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह निकला है कि बाजार टैरिफ के मोर्चे पर चल रही हलचल को काफी हद तक नजरअंदाज कर रहे हैं और स्पष्टता आने का इंतजार कर रहे हैं। पीएल कैपिटल के प्रमुख सलाहकार विक्रम कसाट ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दवाओं पर 200 प्रतिशत और तांबे के उत्पादों पर

50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का आह्वान किया है। तांबे के वायदा भाव में 17 प्रतिशत से ज्यादा का उछाल आया, जिसके बाद कीमतों में थोड़ी गिरावट आई। तांबे पर टैरिफ लगने की संभावना ज्यादा है, क्योंकि ट्रंप ने संकेत दिया है कि दवाओं पर टैरिफ को लेकर फिलहाल कुछ समय है। विश्लेषकों का कहना है कि बाजार ट्रेड फ्रंट पर स्पष्टता का इंतजार कर रहे हैं। शुरूआती कारोबार में निफ्टी बैंक 196.25 अंक या 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 57,060.05 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 72 अंक या 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 59,487.45 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 84.55 अंक या 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,979.75 पर था। इस बीच, सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, इंफोसिस, टाटा स्टील, एलएंडटी, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम, इटरनल और ट्रेंट टॉप लूजर्स थे। वहीं, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी, एनटीपीसी और पावर ग्रिड टॉप गेनर्स थे। संस्थागत मोर्चे पर, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 8 जुलाई को 26.12 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने उसी दिन 1,366.82 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। एशियाई बाजारों में, बैंकॉक और हांगकांग लाल निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि जापान, सोल, चीन और जकार्ता हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।

अमेरिकी बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में डॉव जोंस 165.60 अंक या 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 44,240.76 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 4.46 अंक या 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,225.52 पर बंद हुआ और नैस्डैक 5.95 अंक या 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,418.46 पर बंद हुआ।

राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के निमार्णाधीन कार्यों का करेंगे परीक्षण

रायपुर। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के निमार्णाधीन कार्यों के गुणवत्ता परीक्षण के लिए राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। वे नारायणपुर और कोंडागांव जिले का दौरा कर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निमार्णाधीन सड़कों का परीक्षण करेंगे। राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक से उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क कर प्रगतिरत सड़कों की गुणवत्ता के संबंध में शिकायत साझा की जा सकती है। राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक श्री कुलभूषण गोयल (मोबाइल नम्बर - +91-7030655222) 16 जुलाई से 21 जुलाई तक नारायणपुर जिले में सड़कों की गुणवत्ता का परीक्षण करेंगे। वे 22 जुलाई से 26 जुलाई तक कोंडागांव जिले में सड़कों की गुणवत्ता जांचेंगे।

न्यूज गैलरी

अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के कारण सहायक शिक्षक (एलबी) मुकेश की सेवा समाप्त

रायपुर। जिला शिक्षा अधिकारी श्री प्रवास सिंह बघेल ने छुरिया विकासखंड अंतर्गत आने वाले शासकीय प्राथमिक शाला मोरकुटुम्ब में पदस्थ सहायक शिक्षक (एलबी) श्री मुकेश कुमार मण्डावी को अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के कारण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तत्काल प्रभाव से सेवा समाप्त कर दिया है।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद से राज्यपाल डेका ने की सौजन्य भेंट

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज नई दिल्ली में पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद से सौजन्य भेंट की। श्री डेका ने श्री कोविंद को राजकीय गमछा पहनाया और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया।

राज्यपाल डेका ने केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गड़करी से की सौजन्य भेंट

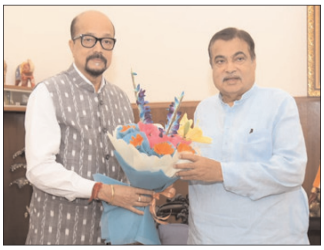

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज नई दिल्ली में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गड़करी से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर श्री डेका ने राज्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

आधुनिकीकरण का काम शुरू होने से पहले टाटा-बिलासपुर-टाटा एक्सप्रेस रद्द, उत्कल एक्सप्रेस चलेगी बदले हुए मार्ग से

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में गम्हरिया जंक्शन से आदित्यपुर सेक्शन के बीच ट्रैक रिलेइंग ट्रेन मशीन से आधुनिकीकरण का काम शुरू होने वाला है। यह काम 15 जुलाई से 4 अक्टूबर 2025 तक चलेगा, जिसकी वजह से कई पैसेंजर गाडि?ीं का परिचालन प्रभावित रहेगा।

रेल प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक, इस दौरान कुछ ट्रेनें रद्द रहेंगी और कुछ को परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा।

रद्द होने वाली गाडियांः- 15, 19, 22, 26, 29 जुलाई और 2 अगस्त 2025 को 18113/18114 टाटा-बिलासपुर-टाटा एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 12, 16, 19, 23 और 26 अगस्त 2025 को 18109/18110 टाटा-नेताजी सुभाष चंद्र बोस-टाटा एक्सप्रेस रद्द रहेगी। परिवर्तित मार्ग से चलने वाली गाडि?ंः-18, 25 जुलाई और 1, 11, 18, 25 अगस्त 2025 को 18477 पुरी-योगनगरी ऋषिकेश उत्कल एक्सप्रेस कटक, सम्बलपुर सिटी, झारसुगुड़ा रोड और ईब होकर चलेगी। 14, 21, 28 जुलाई, 8, 15, 22, 29 अगस्त और 5, 12, 19, 26 सितंबर व 3 अक्टूबर 2025 को 18478 योगनगरी ऋषिकेश उत्कल एक्सप्रेस ईब, झारसुगुड़ा रोड, सम्बलपुर सिटी और कटक होकर जाएगी। 15, 22, 29 जुलाई 2025 को दुर्ग से चलने वाली 13287 दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस सिनी-काण्ड्रा जंक्शन होकर चलेगी। 18, 25 जुलाई और 1 अक्टूबर 2025 को आरा से चलने वाली 13288 आरा-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस काण्ड्रा जंक्शन-सिनी होकर चलेगी।

छत्तीसगढ़ में बौद्ध परंपरा की जड़ें अत्यंत गहरी : मुख्यमंत्री

00 बुद्ध प्रतिमा की स्थापना से मैनपाट बनेगा शांति और समावेशी संस्कृति की नई पहचान, 00 मैनपाट में भगवान बुद्ध की प्रतिमा का किया अनावरण

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बौद्ध परंपरा की जड़ें अत्यंत गहरी हैं और भगवान बुद्ध के प्रेम, शांति एवं करुणा के संदेश को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार विकास के पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज सरगुजा जिले के मैनपाट स्थित होटल ग्राउंड परिसर में नवस्थापित भगवान बुद्ध की भव्य प्रतिमा के अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और प्रदेशवासियों के लिए सुख, समृद्धि एवं शांति की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में इस पावन अवसर पर आमंत्रण के लिए तिब्बती समुदाय के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कई ऐसे स्थल हैं, जहां भगवान बुद्ध की उपासना की जाती है। सिरपुर में बौद्ध, जैन और सनातन परंपराएं एक साथ देखने को मिलती हैं, जो राज्य की समावेशी संस्कृति का अद्वितीय उदाहरण है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने दलाई लामा जी के 90वें जन्मदिवस का स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन भगवान बुद्ध की करुणा, प्रेम और शांति के सिद्धांतों का सजीव प्रतीक है। आज की दुनिया के लिए उनका संदेश नई आशा और सकारात्मकता का स्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सहित विश्व भर के नेताओं ने दलाई लामा जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं, जो यह दशार्ता है कि भगवान बुद्ध के विचारों का वैश्विक जीवन पर कितना गहरा प्रभाव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैनपाट प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विविधता से भरपूर स्थल है, जो पर्यटकों को रोमांचित करता है। यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, और राज्य सरकार इसके समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य की नवीन औद्योगिक नीति में पर्यटन को विशेष प्राथमिकता दी गई है, और मैनपाट जैसे क्षेत्रों में होम स्टे सुविधा शुरू करने वालों को विशेष प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने तिब्बती सहकारी समिति की मांग पर मैनपाट स्थित सैला रिसॉर्ट से बौद्ध मंदिर तक सीसी रोड निर्माण के लिए 10 लाख रुपये तथा प्राचीन बौद्ध मंदिर में शेड निर्माण के लिए 20 लाख रुपये की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर पौधरोपण किया।

उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम में पारंपरिक तिब्बती रीति-रिवाजों के अनुसार मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया गया। हाथों में तिरंगा लिए लोगों ने उत्साहपूर्वक मुख्यमंत्री से मुलाकात की, जिससे वातावरण उल्लासमय हो गया।

कार्यक्रम में सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज, सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो, कलेक्टर श्री विलास भोसकर, सेटलमेंट अधिकारी सुश्री स्वांग यांग्सो, तिब्बती सहकारी समिति के अध्यक्ष श्री तामदिंग सेरिंग, मठ प्रमुख लामा दुब्जे, लामा जिनपा सहित तिब्बती समुदाय के बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

खरगे जी को बार-बार क्यों कहना पड़ा एक रहना है 28 तक

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे साहब 7 तारीख को कुछ घंटों के लिए रायपुर आए थे, साइंस कालेज मैदान की आम सभा में मंच से बैठे-बैठे उन्होने ताड़ लिया है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का क्या हाल है? जो भी नेता बोलने के लिए माइक थामता समर्थक उनके पक्ष में नारेबाजी करने लगते थे। सभा इससे बाधित हो रहा था। जब बारी नेता प्रतिपक्ष महंत की आई तो एक हुल्लड़ ग्रुप ने बेवजह की नारेबाजी शुरू कर दी जिससे महंत जी मंच पर ही झल्ला गए। उन्होने संचाचनलकर्ता को भी फटकारा, फिर बैज को आगे आकर रोकना पड़ा। ये सिलसिला चलते रहा। आखिर में जब खरगे साहब को बोलने का मौका मिला तो वे बार-बार पार्टी नेताओं और कार्यकताओं को एकजुट रहने का अनुरोध करते रहे। उन्होने यहां तक कह दिया यदि 2028 में वापसी करनी है तो सभी को एक रहना होगा। यहां तक कि कांग्रेस मुख्यालय की बैठकों में भी उन्होने एकता का पाठ पढ़ाया। उन्होने ऐसा क्या महसूस किया कि बार-बार उन्हे एकजुटता के लिए कहना पड़ रहा था। विमानतल पर उन्हे विदाई देने के बाद सभी आला नेताओं ने एक साझा फोटो सेशन हंसते-मुस्कराते हुए करवाकर यह बताने का प्रयास किया कि वे सब एक हैं। बाहर आते ही सबके के गाड़ी का काफिला बदल गया, अलग दिशा के लिए और सब अपनी पीठ थपथपाने लगे। लेकिन सचिन पायलट के खुफिया तंत्र ने पूरी रिपोर्ट तैयार कर ली है। जिसका असर आने वाले दिनों में दिखेगा, तब तक इंतजार करें। अभी तो केवल इतना कि खरगे जी कह गए हैं सबको एकजुट रहना है, 28 आने में वैसे काफी वक्त हैं, कितना एक रह पाते हैं समय बतायेगा।

श्रम विभाग की अधिसूचना: दुकान एवं स्थापनाओं का पंजीयन अब नए नियमों के तहत होगा

00 14 अगस्त तक कर्मचारियों का पंजीयन अनिवार्य

छत्तीसगढ़ शासन श्रम विभाग
CHHATTISGARH GOVERNMENT
LABOUR DEPARTMENT

रायपुर। छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना (नियोजन एवं सेवा की शर्तों का विनियमन) अधिनियम, 2017 के अंतर्गत दुकान एवं स्थापनाओं के पंजीयन के लिए जारी अधिसूचना के फलस्वरूप, 13 फरवरी से पूर्व में प्रचलित छग दुकान एवं स्थापना अधिनियम, 1958 निरस्त कर दिया गया है। इसके स्थान पर छ.ग. दुकान एवं स्थापना (नियोजन एवं सेवा की शर्तों का विनियमन) अधिनियम, 2017 तथा इसके अंतर्गत बनाए गए छ.ग. दुकान एवं स्थापना (नियोजन एवं सेवा शर्तों का विनियमन) नियम, 2021 राज्य में 13 फरवरी 2025 से प्रभावशील हो गए हैं। इस अधिनियम के प्रभावशील होने के पश्चात, दुकान एवं स्थापना पंजीयन का कार्य श्रम विभाग के जिला कार्यालय द्वारा विभागीय पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है। यदि किसी दुकान या स्थापना में 10 या उससे अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, तो पंजीयन कराना अनिवार्य है। अधिनियम लागू होने के दिनांक से 6 माह की अवधि के भीतर पंजीयन कराना आवश्यक है। यह अवधि 13 फरवरी 2025 से 14 अगस्त 2025 तक है 7

6 माह पश्चात, निर्धारित शुल्क के साथ-साथ 25 प्रतिशत विलंब शुल्क तथा अधिनियम की धारा 24 के अंतर्गत प्रशमन की कार्यवाही उपरांत ही पंजीयन प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। अतः समस्त दुकान एवं स्थापनाओं के नियोजकों/संचालकों से अपेक्षा की जाती है कि वे छ.ग. दुकान एवं स्थापना अधिनियम, 2017 के अंतर्गत निर्धारित समयावधि के पूर्व अपनी स्थापनाओं का पंजीयन सुनिश्चित करें।

फाफाडीह एक्सचेंज में ट्रेड यूनियनों का जंगी प्रदर्शन, बीएसएनएल कर्मचारी हड़ताल पर रहे

रायपुर। ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन क्या वहां पर 23 सूत्रीय मांगों के लिए राष्ट्रव्यापी आंदोलन प्रदर्शन मशाल रैली का आयोजन आज 9 जुलाई को पूरे देश में किया गया है?। इसी परिप्रेक्ष्य में रायपुर राजधानी के फाफाडीह चौक स्थित टेलीफोन एक्सचेंज में प्रातः 10:30 बजे से बीएसएनएल हड़ताल पर रहे तथा जंगी नारेबाजी, प्रदर्शन कर केंद्र सरकार की कर्मचारी मजदूर विरोधी नीतियों का विरोध करते हुए अपने वेतनमान के लिए हड़ताल पर रहे।

कर्मचारी नेता विजय कुमार झा ने बताया है कि रायपुर ट्रेड यूनियन काउंसिल के आह्वाहन पर बीमा, बैंक, राज्य सरकार के कर्मचारी, रेल्वे, पेंशनर्स आदि के नेता एवं सदस्य इस प्रदर्शन में शामिल हुए। ट्रेड यूनियन के संयोजक एचपी साहू, सह संयोजक सुधाकर चीलमवार, बैंक यूनियन के अध्यक्ष शिरीश नलगुंडवार, स्टेट प्रदेश शासकीय कर्मचारी संघ के पेंशनर्स यूनियन के संरक्षक विजय कुमार झा, कमलेश संगोड़े, एम एल गभेल, सतीष मेश्राम, साथी लुईस आदि ने अपने संबोधन में तीसरे वेतनमान की मांग सहित कर्मचारी, पेंशनर, मजदूर, श्रमिक इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में भाग लिए। पेंशन बंद करने की साजिश, बेरोजगारी, संविधान से छेड़छाड़, श्रमिकों के लिए नया कानून बनाकर शोषण करने, 8 घंटा श्रम कानून के अंतर्गत कार्य करने, महिलाओं का उत्पीड?, कर्मचारियों को प्रताड़ित करने, जैसे विभिन्न मांगों के लिए आज बीएसएनएल कर्मचारी जंगी प्रदर्शन कर हड़ताल पर रहे।

छत्तीसगढ़ को डीएमएफ संबंधी उत्कृष्ट कार्यों के लिए भारत सरकार के खान मंत्रालय ने किया सम्मानित

खनन प्रभावित क्षेत्रों में विकास एवं पारदर्शिता के लिए छत्तीसगढ़ की सराहनीय पहल को मिला राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान

रायपुर। भारत सरकार के खान मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य को जिला खनिज संस्थान न्यास के अंतर्गत उल्लेखनीय कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। आज नई दिल्ली स्थित स्कोप कन्वेंशन सेंटर में आयोजित एक दिवसीय ₹नेशनल डीएमएफ वर्कशॉप₹ के दौरान केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी किशन रेड्डी ने मुख्यमंत्री के सचिव और खनिज सचिव श्री पी. दयानंद को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

खान मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना द्वारा नेशनल डीएमएफ पोर्टल में समस्त राज्यों के डीएमएफ से संबंधित डेटाबेस का संधारण किया जा रहा है। डीएमएफ के ऑडिट रिपोर्ट का राज्य डीएमएफ पोर्टल एवं नेशनल डीएमएफ पोर्टल में 90 प्रतिशत डेटाबेस पूर्णतः अपलोड किए जाने पर छत्तीसगढ़ राज्य को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के प्रयासों को मॉडल राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया और अन्य राज्यों को भी डेटा अपलोडिंग, पारदर्शिता और जमीनी क्रियान्वयन के अनुकरण की सलाह दी गई।

उल्लखेनीय है कि नेशनल डीएमएफ कार्यशाला का आयोजन प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना एवं डीएमएफ की प्रभावशीलता को बढ़ाने और खनन क्षेत्रों में सतत एवं समावेशी विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से सचिव, संचालक एवं खनन प्रभावित जिलों के कलेक्टर्स शामिल हुए।

◆ स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन (एन.एच. नं. 43अ.पुर) से मुद्रित एवं स्कूल रोड, बैकुण्ठपुर (कोरिया) से प्रकाशित 0 प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ● RNI No. 71235/98◆ डाक पंजीयन क्र./छ.ग./रायगढ़/सी.ओ./रायपुर05/2005 से2006 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com